baljinews.com
लखनऊ से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से मान्यता प्राप्त

बालजी

यू0पी0, दिल्ली उत्तराखण्ड, हरियाणा, पंजाब व हिमाचल प्रदेश से एक साथ प्रसारित
baljinews@gmail.com
ताकि सच जिंदा रहे....

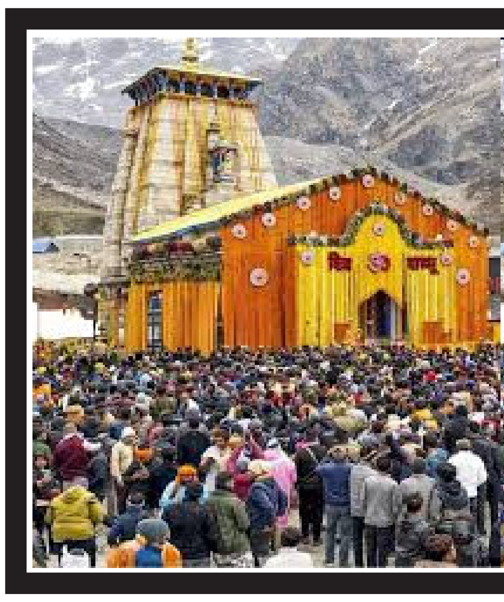

वर्ष : 19 अंक : 165 | लखनऊ, बुधवार, 21 जनवरी 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 1.00

कुलदीप सेंगर की जमानत के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर अब 27 जनवरी को होगी सुनवाई

उन्नाव रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत के खिलाफ याचिका पर 27 जनवरी को अगली सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सीबीआई की याचिका पर सुनवाई करते हुए अगली तारीख निर्धारित की है। दिल्ली हाईकोर्ट से कुलदीप सिंह सेंगर को रेप केस में मिली जमानत याचिका का सीबीआई ने विरोध किया है। केंद्रीय एजेंसी ने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी, जिस पर 27 जनवरी को फिर से सुनवाई होगी। कुलदीप सिंह सेंगर को हाईकोर्ट से जमानत दिए जाने पर कड़ा विरोध हुआ था। हाईकोर्ट ने कुलदीप सेंगर को जमानत देने के साथ उसकी उम्रकैद की सजा पर भी रोक लगाई थी। रेप पीड़िता और उसके परिवार के अलावा कई राजनीतिक दलों ने जमानत के विरोध में विरोध प्रदर्शन किए थे। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए कुलदीप सेंगर की जमानत को रद्द किया। वहीं, सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने पीड़िता के पिता की हत्या के मामले में कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत याचिका को खारिज किया। कुलदीप सिंह सेंगर इस मामले में 10 साल की सजा काट रहा है।

सोने-चांदी के बेतहाशा बढ़ते दाम, मध्यमवर्गीय परिवारों की टूटी कमर

दैनिक बालजी

बांगरमऊ, उन्नाव।वैश्विक बाजारों में मची उथल-पुथल और घरेलू मांग में वृद्धि के चलते सोने और चांदी की कीमतों ने रिकॉर्ड स्तर को छू लिया है। पिछले कुछ हफ्तों में कीमतों में आई इस 'बेतहाशा' वृद्धि ने न केवल आम उपभोक्ताओं की नींद उड़ा दी है, बल्कि सहालग (शादी-विवाह के सीजन) की तैयारी कर रहे परिवारों के बजट को भी पूरी तरह बिगाड़ दिया है। ताजा आंकड़ों के अनुसार सोने की कीमतें 1,52,000 प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट) के पार पहुंच गई हैं, वहीं चांदी भी 3,08,000 प्रति

किलोग्राम के स्तर को चुनौती दे रही है।

बांगरमऊ के स्थानीय सर्राफा बाजार में आज सन्नाटा पसरा रहा। जो ग्राहक कुछ महीने पहले तक आभूषणों की बुकिंग करा रहे थे, वे अब खरीदारी करने से कतरा रहे हैं। बांगरमऊ के एक स्थानीय निवासी ने बताया, 'बेटे की शादी अगले महीने है, लेकिन सोने के दाम सुनकर हाथ-पांव फूल रहे हैं। सरकार को इस पर लगाम लगानी चाहिए, वरना आम आदमी के लिए शादी-ब्याह करना नामुमकिन हो जाएगा।'

स्थानीय सर्राफा व्यापारियों का भी कहना है कि बाजार में 'फुटफाल' (ग्राहकों का आना) 50% तक कम हो गया है। अधिकांश लोग अब नया सोना खरीदने के बजाय पुराने सोने को बदलने या बेचने के लिए आ रहे हैं। जनता और व्यापार मंडलों ने सरकार से मांग की है कि सरकार को सोने-चांदी के आयात पर लगने वाले शुल्क को कम करना चाहिए ताकि घरेलू बाजार में कीमतें स्थिर हो सकें। कमोडिटी मार्केट में हो रही सट्टेबाजी को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। छोटे ज्वैलर्स और कारीगरों के लिए विशेष राहत योजनाओं की घोषणा की जाए, जिनकी रोजी-रोटी इस मंदी से प्रभावित हो रही है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि रूस-यूक्रेन और मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण निवेशक सोने को 'सुरक्षित निवेश' मान रहे हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर कीमतें बढ़ रही हैं। यदि सरकार ने शीघ्र ही हस्तक्षेप नहीं किया, तो आने वाले समय में ये कीमतें और अधिक भयावह रूप ले सकती हैं।

गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय नौसेना करेगी प्रदर्शन

नयी दिल्ली : गणतंत्र दिवस परेड में कर्तव्य पथ पर इस बार भारतीय नौसेना अपने मार्चिंग दस्ते, झांकी और बैंड के माध्यम से परंपरा, आत्मनिर्भरता और भविष्य की तैयारियों का सशक्त संगम प्रस्तुत करेगी। टुकड़ी के कमांडर लेफ्टिनेंट करण नाग्याल ने मंगलवार को यहां कहा कि यह प्रस्तुति विकसित और समृद्ध भारत के लिए समुद्रों की सुरक्षा करने वाली युद्ध के लिए तत्पर, सुसंगठित और आत्मनिर्भर शक्ति के रूप में नौसेना की परिकल्पना को दर्शाएगी।

जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक यूपी की विधानसभा: ओम बिरला

लखनऊ। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश की विधानसभा जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक लगती है। पीठासीन अधिकारियों के 86वें अखिल भारतीय सम्मेलन के दूसरे दिन यहां विधानभवन के मंडप (जहां सत्र की कार्यवाही संचालित होती है) में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि इस विधानसभा में पहले भी आना हुआ है और उत्तर प्रदेश की विधानसभा जीवंत लोकतंत्र का प्रतीक लगती है। बिरला ने कहा कि प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने देश और दुनिया की सबसे बड़ी विधानसभा में लोकतांत्रिक मूल्यों, श्रेष्ठ परंपराओं, अच्छी परिपाटियों को लागू किया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा के विशेष योग्यता धारक जनप्रतिनिधियों, डॉक्टर, इंजीनियर, सनदी लेखाकार आदि, के अनुभवों का महाना ने पेशेवरों के अलग-अलग

समूह बनाकर लाभ उठाया। सम्मेलन में उप्र विधानसभा के बदलाव से संबंधित दिखाई गई 13 मिनट की एक लघु फिल्म की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, उप्र विधानसभा ने महिलाओं और युवाओं के अलग-अलग सत्र आयोजित किये, ताकि महिलाओं की भागीदारी राजनीति में बढ़े और उसकी प्रेरणा सभी राज्य की महिलाओं को मिले। युवाओं की भागीदारी लोकतंत्र में बढ़ाने के लिए युवा संवाद और युवा चर्चा जैसे सत्र आयोजित करने जैसे अच्छे प्रयास किये गये। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी विधानसभा की श्रेष्ठ परिपाटी, परंपराएं, नियमों में बदलाव, लोकतंत्र में भागीदारी, नये प्रयोग प्रेरणादायी होते हैं और निश्चित रूप से हम इसीलिए चर्चा करते हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपने छह साल के कार्यकाल में बदलती लोकतांत्रिक विधानसभाओं का स्वरूप देखा है। विधानसभाओं में पहले गया और उसके तीन-चार साल बाद गया...सभी माननीय अध्यक्षों ने बदलाव किया और समाज की सक्रिय भागीदारी के लिए बहुत प्रयास किये। बिरला ने कहा कि स्थायी समिति की बैठक में इस पर चर्चा भी हुई और मुझे आशा है कि आप बहुमूल्य सुझाव देंगे तो उसके लिए एक समिति बनाकर शीघ्र ही इसी सत्र के अंदर राज्यों की विधानसभाओं व लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति लोगों का और विश्वास बनाने, चर्चाओं और संवाद के सकारात्मक परिणाम के लिए प्रयास करेंगे। इसके पहले उप्र विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने अतिथियों का स्वागत किया। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने दूसरे दिन सम्मेलन की शुरुआत कराई। इस अवसर पर अपने संबोधन में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा, लोकतंत्र का सबसे सशक्त आधार जनता का अटूट विश्वास होता है। यह विश्वास रातों रात निर्मित नहीं होता और न ही वह किसी एक चुनावी सफलता के परिणाम से परिलक्षित होता है। यह निरंतर व्यवहार, सतत संवाद और अटूट उत्तरदायित्व की परिणति है। देवनानी ने कहा, हम सदन में बैठते हैं तो हमें संविधान के ट्रस्टी के रूप में व्यवहार करना चाहिए क्योंकि हमारे हाथ में जो शक्ति है वह जनता द्वारा दी गई पवित्र धरोहर है। जब हम जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही की बात करते हैं तो हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि विधायिका कोई स्वायत्त सत्ता केंद्र नहीं है बल्कि जनता की आकांक्षाओं और अभिलाषाओं का एक दर्पण है। उन्होंने कहा, सदन की सर्वश्रेष्ठता इस बात से तय नहीं होती कि वहां बहुमत कितना प्रभावी है बल्कि वह इस बात से तय होती है कि वहां अल्पमत की आवाज को कितना सम्मान और महत्व दिया जाता है। असहमति के स्वर को महत्व देने की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि जनता हमसे अपेक्षा करती है कि हम शासन के हर निर्णय की समीक्षा करें और एक एक पैसा जनकल्याण में खर्च हो, यह विधायिका की जिम्मेदारी है।

पार्टी को नई ऊर्जा व दिशा देंगे नितिन नबीन

बीजेपी अध्यक्ष बनने पर सीएम योगी ने दीं शुभकामनाएं

दिल्ली उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मंगलवार को नयी दिल्ली) स्थित भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में मुख्यमंत्री ने नितिन नबीन को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नितिन नबीन के कुशल नेतृत्व, समृद्ध संगठनात्मक अनुभव और दूरदर्शी सोच से भारतीय जनता पार्टी को नई ऊर्जा और नई दिशा प्राप्त होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सशक्त करेगी। मुख्यमंत्री योगी ने यह भी आशा व्यक्त की कि नितिन नबीन का मार्गदर्शन उत्तर प्रदेश को निरंतर मिलता रहेगा, जिससे राज्य में संगठन और सरकार दोनों को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट शएक्सश् पर भी बधाई संदेश साझा करते हुए लिखा है कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन में नितिन नबीन अंत्योदय के पथ पर चलते हुए अपनी निष्ठा और समर्पण से संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। साथ ही, वे पार्टी के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं में राष्ट्र प्रथम की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेंगे।

विकसित भारत के लिए महत्वपूर्ण कालखंड में भाजपा का नेतृत्व युवा हाथों में : पीएम

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि अगले 25 वर्ष में विकसित भारत का निर्माण होना तय है और इस महत्वपूर्ण कालखंड के प्रारंभ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नेतृत्व नितिन नबीन जैसा युवा नेता संभाल रहा है। पीएम मोदी ने पार्टी के मुख्यालय पर आयोजित भाजपा संगठन पर्व समारोह को संबोधित कर रहे थे। इसी समारोह में नबीन ने पार्टी के अध्यक्ष पद का दायित्व संभाला। वह सोमवार को संगठनात्मक चुनाव में निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किये गये। पीएम मोदी ने कहा, अगले 25 वर्ष भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कालखंड है। इसमें विकसित भारत का निर्माण होना है। उन्होंने जोर देकर कहा, विकसित भारत का निर्माण होना तय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नबीन एक तरह से मिलेनियल जेनरेशन

के हैं और उन्होंने अपने आँखों के सामने भारत में बहुत बड़े बदलाव होते देखा है। पीएम मोदी ने कहा कि उनके लिए यह बड़ी बात नहीं है कि वह शासनाध्यक्ष कहे जाते हैं, बल्कि उनके जीवन में उनके लिए सबसे बड़े गर्व बात है कि वह भाजपा के कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि बीते कई महिनों से पार्टी की छोटी इकाई से लेकर अध्यक्ष के चुनाव की व्यापक प्रक्रिया शत-प्रतिशत लोकतांत्रिक तरीके से और पार्टी की संविधान की भावना के साथ संपन्न हुआ है। चुनाव प्रक्रिया के विधिपूर्वक समापन पर पार्टी ने आज संगठन पर्व का आयोजन किया। इससे पहले मोदी ने पार्टी के नये अध्यक्ष को दुनिया के सबसे बड़े राजनैतिक दल का अध्यक्ष चुने जाने के लिए बधाई दी और उनके गले में गमछा डालकर उनका स्वागत किया। पार्टी के निवर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि नितिन नबीन मूलतरू कार्यकर्ता हैं, वैचारिक पृष्ठभूमि पर परिपक्व हैं और बहुत ही छोटी उम्र में पांच बार विधायक रह चुके हैं और वर्तमान में भी विधायक हैं। उन्होंने कहा, ऐसे नौजवान, ऊर्जावान, प्रतिभावान व्यक्तित्व ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला है।

सरकार छोटी कंपनियों के लिए गुणवत्ता प्रमाणन शुल्क में छूट तीन साल और बढ़ाएगी

नयी दिल्ली सरकार छोटे और मझोले उद्यमों को समर्थन देने के लिए गुणवत्ता प्रमाणन शुल्क में दी जाने वाली छूट की समयसीमा को मौजूदा मध्य 2026 से तीन साल आगे बढ़ाने जा रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि भारत विनिर्माण में गुणवत्ता को प्राथमिकता देने के नजरिये को बढ़ावा दे रहा है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने इस विस्तार के लिए एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसके तहत सूक्ष्म इकाइयों को शुल्क में 80 प्रतिशत, छोटे उद्यमों को 50 प्रतिशत और मध्यम आकार की कंपनियों को 20 प्रतिशत की छूट दी जाती है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव भरत खेड़ा ने पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स के एक कार्यक्रम में कहा, श्हाल में हमने एक प्रस्ताव पेश किया है और इसे जल्द ही मंजूरी मिलने की संभावना है...।

एकीकृत बागवानी मिशन के तहत कृषकों का प्रशिक्षण उपरान्त भ्रमण सम्पन्न

वशिष्ठ मौर्या/बालजी हिन्दी दैनिक

देवरिया : एकीकृत बागवानी विकास मिशन 2025-26 योजनान्तर्गत चयनित 60 कृषकों का प्रशिक्षण उपरान्त भ्रमण कार्यक्रम आज दिनांक 17 जनवरी 2026 को सम्पन्न हुआ। कृषकों के इस दल को सहायक उद्यान निरीक्षक सुशील कुमार शर्मा द्वारा कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी, देवरिया परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया त भ्रमण के प्रथम चरण में कृषकों को प्रगतिशील कृषक जय सिंह कुशवाहा, , (कुशवाहा पौधा केंद्र) ग्राम-कैथवलिया सबवत टोला, विकास खण्ड-तरकुलवा के प्रक्षेत्र पर ले जाया गया। यहाँ कृषकों ने पपीता, अमरूद, आम, ड्रैगन फ्रूट एवं विभिन्न सब्जी फसलों की उन्नत खेती का अवलोकन किया। श्री कुशवाहा द्वारा औद्यानिक फसलों से होने वाले लाभ, लागत एवं उत्पादन की जानकारी दी गई तथा कृषकों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का विस्तारपूर्वक उत्तर दिया गया। इस अवसर पर कृषकों ने उनकी नर्सरी का भी अवलोकन किया। श्री पत्रिका सिंह द्वारा जायद ऋतु की सब्जीवर्गीय फसलों की जानकारी देते हुए इच्छुक कृषकों से dbt.uphorticulture.in पोर्टल पर अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराने का अनुरोध किया गया। द्वितीय भ्रमण स्थल पर कृषकों को प्रगतिशील कृषक जयराम शर्मा पुत्र चन्दन शर्मा, ग्राम-बघड़ा महुआरी, विकास खण्ड-पथरदेवा के केले के बाग में ले जाया गया। यहाँ शर्मा द्वारा केले की वैज्ञानिक खेती एवं उससे होने वाले आर्थिक लाभ की जानकारी दी गई। सहायक उद्यान निरीक्षक रणजीत यादव द्वारा विभागीय योजनाओं के अंतर्गत केले की खेती पर दिये जाने वाले अनुदान के संबंध में कृषकों को अवगत कराते हुए उनके प्रश्नों का समाधान किया गया। इसके पश्चात कृषकों को ग्राम-बरियारपुर, विकास खण्ड-रामपुर कारखाना स्थित कृषक सुरेन्द्र चौहान के प्रक्षेत्र में लगे आलू एवं फूलगोभी की फसलों का भ्रमण कराया गया। साथ ही बरियारपुर के ही कृषक अष्टमूर्ति बहादुर शाही के पॉलीहाउस एवं उनके प्रक्षेत्र में उगाई गई विभिन्न औद्यानिक फसलों एवं सब्जियों का भी अवलोकन कराया गया। अन्त में सहायक उद्यान निरीक्षक सुशील कुमार शर्मा द्वारा सभी कृषकों का आभार व्यक्त करते हुए भ्रमण कार्यक्रम का सफल समापन किया गया।

राहुल गांधी का मनरेगा को लेकर सरकार पर निशाना, गरीबों को भूखा रखना चाहते हैं पीएम

रायबरेली : मनरेगा को खत्म करके सरकार वीबी-जी-राम-जी नाम से एक नया कानून लेकर आई है। इसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गाधी ने मोदी सरकार पर गरीबों के बजाय नौकरशाहों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। मनरेगा के विरोध में कांग्रेस देश भर में मनरेगा बचाओ अभियान चला रही है। मनरेगा पर मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सत्ता को केंद्रीकृत करने, इसे नौकरशाही को सौंपने और गरीब नागरिकों को भूखा मरने के लिए छोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा मनरेगा का मकसद बेरोजगार ग्रामीणों को पैसे कमाने का जरिया देना था।लेकिन प्रधानमंत्री ऐसा नहीं चाहते, वे सत्ता को केंद्रीकृत करना चाहते हैं और इसे नौकरशाही को सौंपना चाहते हैं। वह गरीबों को भूखा मरेने के लिए छोड़ना चाहते हैं। एक्ट में सुधार के नाम पर गरीबों का सुरक्षा कवच हटाया गया है। उन्होंने एक्ट से महात्मा गांधी के नाम को हटाने की भी निंदा की।उन्होंने आगे कहा, श्मामला सिर्फ नाम बदलने का नहीं है. गांधी जी का अपमान किया गया है, लेकिन उससे भी बड़ी बात है कि हमारे गरीब जनता का जो प्रोटेक्शन था, वह हटा दिया गया है। जो डेमोक्रेटिक जड़ है, एक प्रकार से उसको काटा गया है। कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मनरेगा को बचाने का आंदोलन चला रही है जो मजदूरों की मजदूरी और उनके प्रोटेक्शन के लिए है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जानबूझकर जनता की रक्षा नहीं कर रहे हैं और मनरेगा जैसी योजनाओं को कमजोर करके ग्रामीण भारत को प्रभावित कर रहे हैं।राहुल गांधी ने कहा कि मनरेगा योजना, जो कांग्रेस ने लागू की थी, उसकी मंशा यह थी कि इसे केंद्र या राज्य सरकार की बजाय पंचायत के माध्यम से चलाया जाए। इसी लक्ष्य के साथ यह योजना लाई गई थी। उन्होंने कहा कि मनरेगा ने मजदूरों और गरीब लोगों की जबरदस्त मदद की। लाखों लोगों को इस योजना ने गरीबी से निकाला। गांवों में इन्फ्रास्ट्रक्चर बना, सड़कें बनीं। अगर कोई मजदूर मनरेगा का काम मांगता था, तो कानून था कि उसे काम देना पड़ेगा।राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा में नरेंद्र मोदी ने कुछ साल पहले मजाक उड़ाते हुए कहा था कि इस योजना से किसी को फायदा नहीं होता और मनरेगा को खत्म करने की कोशिश की गई। मगर देश के गरीब लोगों ने जोरदार आवाज उठाई और मनरेगा बच गया। जब कोरोना आया तो बाकी सारी योजनाएं फेल हो गईं, लेकिन मनरेगा ने मजदूरों और देश की रक्षा की।

कांग्रेस सांसद अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर हैं। आज उन्होंने राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में यूथ स्पोर्ट्स एकेडमी रायबरेली द्वारा आयोजित रायबरेली प्रीमियर लीग का उद्घाटन किया। इसके साथ ही वे मनरेगा को खत्म करने के खिलाफ जनसभा को संबोधित करेंगे। सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के कामों का भी उद्घाटन करेंगे। दूसरे दिन के लिए, कांग्रेस सांसद की अपने गेस्ट हाउस में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक बैठक करेंगे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि नए कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए एक व्यापक कार्यक्रम की योजना बनाई गई है। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में 30 महापंचायतों का आयोजन करेगी।

सम्पादकीय

संवैधानिक मर्यादा और संघीय स्वायत्तता के मध्य गहराता संकट

भारतीय संविधान की संघीय संरचना देश की अखंडता और प्रशासनिक संतुलन की वह आधारशिला है, जिसमें केंद्र एवं राज्यों के मध्य शक्तियों का विभाजन अत्यंत स्पष्टता के साथ किया गया है। सातवीं अनुसूची के अंतर्गत कानून-व्यवस्था राज्यों का अनन्य अधिकार क्षेत्र है, किंतु मनी लॉन्ड्रिंग, आर्थिक अपराध और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अंतरराज्यीय प्रभाव वाले विषयों पर केंद्र को व्यापक अधिकार प्राप्त हैं। वर्तमान परिदृश्य में यह रेखांकित करना आवश्यक है कि शक्तियों का यह विभाजन किसी भी स्तर पर अराजकता या संस्थागत टकराव का लाइसेंस प्रदान नहीं करता। संस्थागत टकराव और संवैधानिक चुनौतियां प्रवर्तन निदेशालय (ED) जैसी केंद्रीय एजेंसियां संसद द्वारा निर्मित वैधानिक ढांचे के अंतर्गत कार्य करती हैं, जिनकी जांच शक्ति को सर्वोच्च न्यायालय ने भी समय-समय पर वैध ठहराया है। इसके बावजूद, पश्चिम बंगाल और झारखंड जैसे राज्यों में घटित हालिया घटनाएं एक चिंताजनक प्रवृत्ति की ओर संकेत करती हैं। बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के दौरान स्वयं मुख्यमंत्री का हस्तक्षेप, साक्ष्यों के साथ संभावित छेड़छाड़ और राज्य पुलिस द्वारा केंद्रीय एजेंसी पर प्राथमिकी दर्ज करना न केवल प्रशासनिक विफलता है, बल्कि संघीय ढांचे की मूल भावना पर भी आघात है।

न्यायपालिका का हस्तक्षेप और केंद्र का दायित्व सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्य पुलिस की एफआईआर पर रोक लगाना और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने जैसे निर्देश इस बात का स्पष्ट प्रमाण हैं कि न्यायपालिका भी इसे एक गंभीर 'संस्थागत संकट' मान रही है। झारखंड में केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय पर राज्य पुलिस की कार्रवाई भी इसी दबाव की राजनीति का विस्तार प्रतीत होती है।

संविधान का अनुच्छेद 355 केंद्र सरकार को यह उत्तरदायित्व सौंपता है कि वह प्रत्येक राज्य में संवैधानिक व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित करे। एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि वर्तमान केंद्र सरकार ने निर्वाचित राज्य सरकारों को बर्खास्त करने के संदर्भ में अत्यधिक संयम का परिचय दिया है, जबकि अतीत में अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग एक सामान्य परिपाटी थी। दुर्भाग्यवश, इस लोकतांत्रिक संयम को कुछ राज्य सरकारों ने केंद्र से अनावश्यक टकराव और स्वयं को एक 'स्वतंत्र सत्ता केंद्र' के रूप में स्थापित करने का माध्यम बना लिया है। भारत एक संप्रभु और एकीकृत गणराज्य है। यदि राज्य सरकारें जांच एजेंसियों की राह में अवरोध उत्पन्न करेंगी और संघीय ढांचे को अपनी राजनीतिक ढाल बनाएंगी, तो यह देश को संस्थागत अविश्वास और विखंडन की ओर ले जाएगा। समय की मांग है कि राष्ट्रीय एकता और कानून के शासन को सर्वोपरि रखते हुए, केंद्रीय एजेंसियों की स्वायत्तता की रक्षा की जाए और हर उस कृत्य पर सख्ती बरती जाए जो संवैधानिक अनुशासन को चुनौती देता है।

गणतंत्र दिवस परेड पर सवाल क्यों

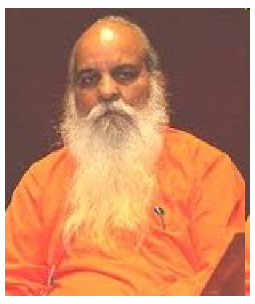

डा. विनोद बब्बर

भारत उत्सवधर्मी देश हैं। जश्न-ए-जमहूरियत यानि गणतंत्र दिवस पर राजपथ पर शानदार परेड, झांकियां, फ्लाईंग-पास्ट होता है। जब इसे धूमधाम से मनाने तथा भारत रत्न सरीखे सम्मानों के औचित्य पर चर्चा होती है, तो पक्ष-विपक्ष के सटीक तर्क-वितर्क का पिटारा खुल जाता है। कुछ लोगों द्वारा हर पुरानी प्रथा को गलत, बेकार और धन की बर्बादी कह कर उसे समाप्त करने की मांग करना एक फैशन-सा बनता जा रहा है। पुरानी रूढ़ियाँ, अंधविश्वास और सामाजिक जकड़न पैदा करने वाली कुरीतियां निश्चित रूप से समाप्त होनी चाहिएँ, साथ-ही-साथ दिन-प्रतिदिन पैसे का नंगा प्रदर्शन करने वाले विशाल शादी पार्टी कार्यक्रमों का विरोध भी होना चाहिए। दहेज प्रथा, बाल-विवाह, छुआछूत, नशे आदि के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए, दोषियों को कानून से भी अधिक समाज दंडित कर सकता है। ऐसे तत्वों का संपूर्ण सामाजिक बहिष्कार होना चाहिएं। हमारा मत है कि सभी पुरानी प्रथाएॅ गलत नहीं है और न ही सभी ठीक। गलत का त्याग हो, लेकिन मात्र विरोध के नाम पर देश के गौरव को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। ऐसा ही एक ज्वलंत प्रश्न है कि क्या गणतंत्र दिवस अर्थात् 26 जनवरी को राजपथ पर होने वाली परेड बेकार है? क्या उसे बन्द कर देना चाहिए? जैसा-कि कुछ आधुनिक विचारधारा के लोग कह रहे हैं। हमारा मत है 'नहीं, हर्गिज नहीं।

किसी भी स्वाभिमानी राष्ट्र का अपना सौंदर्यबोध और शक्तिबोध होता है। देश के विकास की तस्वीर, सांस्कृतिक कार्यक्रम और राज्यों की झांकियां हमारा सौंदर्यबोध है जबकि सेना, अनुशासन, आधुनिकतम अस्त्र-शस्त्र और वायुसेना का शानदार फ्लाइंग पास्ट हमारे शक्तिबोध का प्रतीक ही तो है। इससे राष्ट्र में आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान की भावना का संचार होता है। आत्मविश्वास की कमी ही महाभारत युद्ध में महारथी कर्ण की पराजय का कारण बनी थी, जबकि भगवान् श्रीकृष्ण ने अर्जुन में आत्मविश्वास की भावना का संचार कर उसे विजय भी दिलवाई थी।

अस्त्र-शस्त्र के प्रदर्शन का उद्देश्य किसी को भयभीत करना नहीं है क्योंकि हमारा दर्शन सदा से ही न भय काहू को देत और न भय काहू का मानत' रहा है यह शक्तिबोध तो राष्ट्र के 'गण' को 'तंत्र' की ओर से आश्वस्त करना भर है। यदि इस खर्च को धन की बर्बादी कहा जाएगा तो कल देश की सीमाओं की रक्षा पर होने वाले खर्च का भी प्रश्न उठ सकता है। तब तो कुछ भी कर पाना संभव नहीं होगा। हर खर्च का मूल्यांकन मूल्य के साथ-साथ महत्व से भी किया जाता है। क्या गणतंत्र दिवस न मनाने से भ्रष्टाचार और सामाजिक बुराईयां दूर हो जाएंगी?

नहीं, कदापि नहीं। बल्कि, रही-सही राजनैतिक चेतना भी समाप्त हो जाएगी। अपनी गलतियों का प्रायश्चित करने की बजाय गणतंत्र दिवस परेड की बलि देना अविवेकपूर्ण हैं। यूँ-भी गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेना हर जवान के लिए गौरव की बात है, गौरव के उस क्षण को प्राप्त करने के लिए हमारे बहादुर बच्चे, सेना के जवान जी-तोड़ मेहनत करते हैं। बहादुर बच्चे जब हाथी पर बैठकर राजपथ से निकलते हैं, तो सभी को रोमांच होता है। यह रोमांच प्रेरणा उत्पन्न करता है- कुछ कर दिखाने की। आज हम अपना राष्ट्रगान भूल रहे हैं, राष्ट्र-गीत वन्देमातरम् तो भूल ही चुके हैं क्योंकि इसके गायन के अवसर घटते जा रहे हैं। यदि गणतंत्र दिवस परेड भी बंद कर दी जाए, तो लोग जल्द ही इसके महत्व को भूल बैठेंगे, विशेषरूप से हमारी युवा पीढ़ी कैसे जानेगी, क्या होता है गणतंत्र दिवस? और क्यों होता है यह सब? सभी पुरानी प्रथाओं का विरोध करने से पहले उसके गुण-दोषों पर विचार अवश्य करें। पुराने माता-पिता, दादा-दादी का घटता सम्मान कहीं ऐसे विरोधों का नतीजा तो नहीं है?

हाँ, भारत स्वतंत्र है, लोकतंत्र है और गणतंत्र भी पर, तंत्र जिस रफ्तार से फल फूल रहा है उस अनुपात में गण काफी पिछडा हुआ है। कुछ समय पूर्व गणतंत्र के मुखिया का वेतन दुगुना कर दिया गया, लोकतंत्र के पहरेदार जब चाहें, अपनी आय-सुविधाएं और पेंशन बढ़ा लेते हैं। एक प्रदेश की मुखिया अपनी सुरक्षा के लिए नियमों की सीमा को भी पार करना चाहती है। यह तो एक बानगी भर है, देश के सभी राज्यों में कमोबेश स्थिति एक-जैसी है। इतना ही क्यों, कुछ पूंजीपति घराने तो आसमान की बुलंदियों को छू रहे हैं। पर देश के आम आदमी की स्थिति कुछ दूसरी ही तस्वीर प्रस्तुत करती है। यहाँ गरीबों की चिंता करने वालों के शासन में किसानों-मजदूरों पर गोली चलती है, कर्ज से दबा किसान आत्महत्या करता है, कानूनी रोक के बावजूद, बाल मजदूरी जारी है, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों का ग्राफ निरंतर गिर रहा है। ऐसे में भी यदि हम इसी तंत्र के किसी व्यक्ति को भारत-रत्न घोषित करें तो अभाव से बेबस 'गण' को कुछ समझ नहीं आता कि वह कहाँ जाकर अपना सिर फोड़े?

15 अगस्त, 1947 को मिली आजादी और 26 जनवरी, 1950 को घोषित हुए गणतंत्र के इतने वर्षों बाद भी भारत-पुत्रों की उपेक्षा जारी है, देश में भी और विदेश में भी। हम भारत-पुत्रों पर होने वाले अत्याचारों पर आवाज उठाने की नैतिक शक्ति खो रहे हैं, क्योंकि निज भूमि पर भी हमें भारत- रत्नों की चिंता ज्यादा है। भारत-पुत्र तो जैसे हमारे एजेंडे में ही नहीं हैं। वास्तव में, खून जमा देने वाली सर्दी में सीमाओं की रक्षा करने वाले जवान हों या अपने खून-पसीने से माटी को सींचकर देश का पेट भरने वाले किसान, वही सच्चे भारत-रत्न हैं पर यह तंत्र उन्हें तो भारत-पुत्र-सा दुलार और अधिकार देने को तैयार नहीं है। एक नहीं, सभी दलों के भारत -पुत्रों से ज्यादा अपने पितृपुरूषों के सम्मान की पड़ी है। भाजपा ने अटल जी को भारत-रत्न सम्मान देने की मांग क्या रखी कि शुरू हो गया भारत रत्न के लिए दावेदारी का अंतहीन सिलसिला। सभी दलों के नेता सम्मानित व्यक्ति हैं, लाखों लोगों के चहेते भी। पर शानदार इमारत के सजावटी पत्थर ही पूजे जाते रहेंगे, नींव के खामोश पत्थरों की पूछ आखिर कब होगी? अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में जब तक प्रगति की बयार नहीं पहुँचती तब तक देश का मस्तक शान से ऊंचा नहीं होगा।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर हमें देश को भय, भूख, बेरोजगारी, आतंक, राजनैतिक तिकड़मबाजी के कारण समाज को जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र के नाम पर बाँटने की कोशिश के प्रति सजग रहने का संकल्प लेना चाहिए। गणतंत्र के गनतंत्र बनाने की कोशिश में लगे देश के दुश्मनों को कुचलने की तैयारी करनी चाहिएं, वरना हमारी समस्त झांकियाँ, शस्त्र-प्रदर्शन एक कर्मकांड बनकर, जो देश को समान कानून, समान व्यवहार और समान समृद्धि उपलब्ध करवाने में असफल रहे नेताओं के लिए भारत-रत्न सरीखे सम्मान बटोरने की कोशिश तक सिमट जाएगा।

सुभाष चन्द्र बोस : जिनके नाम से अंग्रेजों के हृदय कांपते थे

प्रमोद दीक्षित मलय

ब्रिटिश शासन सत्ता की बेड़ियों में जकड़ी भारत माता की मुक्ति के लिए हुए स्वाधीनता समर की बलिवेदी पर वीर सपूतों ने निज जीवन की आहुति दी है। अपने सुवासित जीवन-पुष्पों की माला से भारत माता का कंठ सुशोभित किया है तो रुधिर से भाल पर अभिषेक भी। उन्हीं जननायकों में से एक महानायक बनकर उभरा जिसे विश्व सुभाष चन्द्र बोस के नाम से जानता है। सुभाष का जन्म 23 जनवरी, 1897 को कटक में प्रतिष्ठित वकील जानकी नाथ बोस एवं प्रभावती के कुल में हुआ था। 1919 में बी.ए. आनर्स प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर कलकत्ता विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया। विवेकानन्द साहित्य के अध्ययन ने उनको राष्ट्रीय चेतना से समृद्ध किया और चिंतन-मनन करने की सुदृढ जमीन दी। पुत्र को आईसीएस बनाने की पिता की इच्छा का मान रखते हुए सुभाष 1919 में इंगलैण्ड के लिए रवाना हुए और आईसीएस परीक्षा न केवल उत्तीर्ण की बल्कि चौथा स्थान भी हासिल किया किन्तु हृदय में धधक रही देशप्रेम की ज्वाला के कारण अंग्रेजों की चाकरी को स्वीकार न कर भारत माता की सेवा-साधना का कंटकाकीर्ण पथ अंगीकार किया। फलतः सेवा से त्यागपत्र देकर जून 1921 में भारत वापस आकर कांग्रेस में महात्मा गांधी के सुझाव पर सुभाष जी कलकत्ता जाकर देशबंधु चितरंजन दास के साथ काम करने लगे।

चितरंजन दास का उस समय बंगाल में बहुत प्रभाव था और आम जन में उनकी छवि एक उत्कृष्ट नेता की थी। दास ने कांग्रेस के अंदर ही 'स्वराज्य दल' बनाकर कलकत्ता महापालिका का चुनाव लड़ा और जीत अर्जित कर महापौर बने। तब उन्होंने सुभाष को महापालिका का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया। यह सुभाष के सार्वजनिक जीवन की शुरुआत थी। यहां पर सुभाष ने अपनी कार्यशैली और दूरदृष्टि का परिचय देकर काफी नये और महत्वपूर्ण काम किए जिससे उनकी कार्यशैली और राजनीतिक सोच से सभी परिचित हुए और उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई। साथ ही उनकी गिनती देश के अग्रणी नेताओं में होने लगी। उनके जीवन में समय पालन, लक्ष्य के प्रति समर्पण और अनुशासन का बहुत प्रभाव रहा जिसकी पृष्ठभूमि में विद्यार्थी जीवन में ही टेरीटोरियल आर्मी में रंगरूट के रूप में प्राप्त सैन्य प्रशिक्षण था। 1929 में कांग्रेस के अधिवेशन में सुभाष खाकी सैन्य गणवेश में उपथित होकर अध्यक्ष मोतीलाल नेहरु को सलामी दी। और आगे चलकर यही सैन्य अनुशासन 'आजाद हिन्द फौज' के गठन का दृढ आधार भी बना।

1933 से 1936 तक स्वास्थ्य लाभ के लिए यूरोप प्रवास के दौरान आपने इटली के नेता मुसोलिनी और आयरलैण्ड के नेता डी. बलेरा से भेंट-विमर्श कर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के लिए सहयोग का वचन लिया। इसी दौरान आस्ट्रिया में निजी टाईपिस्ट एमिली शेंकेल की सेवा, समझ और भारत के प्रति उदात्त सोच से प्रभावित हो सुभाष ने उनसे विवाह कर लिया। वह भारत वापस आये। देश में सुभाष की लोकप्रियता उफान पर थी। 1938 में हरिपुरा में आयोजित कांग्रेस के 51वें अधिवेशन में गांधी जी ने सुभाषबाबू को अध्यक्ष मनोनीत किया और सम्मान में 51 बैलों द्वारा इनके रथ को खींचा गया। उस अवसर पर अध्यक्ष के रूप में दिया गया सुभाष का ओजस्वी भाषण दुनिया के प्रमुख भाषणों में शुमार किया जाता है। अध्यक्षीय कार्यकाल में आपने जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में 'योजना आयोग' और विख्यात अभियंता विश्वेश्वरैया के नेतृत्व में 'विज्ञान परिषद' बनाई।

कांग्रेस में सुभाष के बढ़ते प्रभाव और कार्यकर्ताओं पर मजबूत होती पकड़ से कांग्रेस के अन्दर ही कुछ नेताओं का प्रभामंडल कमजोर होने लगा और वे सुभाष को कमजोर करने की चालें चलने लगें। गांधी जी से भी मतभेद हुआ। इसका परिणाम यह हुआ कि 1939 के त्रिपुरा अधिवेशन में अध्यक्ष के मनोनयन की परम्परा के उलट कांग्रेस को चुनाव करवाना पड़ा। देश और कार्यकर्ताओं की पसंद सुभाष ने गांधी जी के समर्थित प्रत्याशी पट्टाभि सीतारमैया को पराजित कर दिया। जिस पर गांधी जी की टिप्पणी, "सीतारमैया की हार मेरी हार है," से सुभाष बहुत व्यथित हुए क्योंकि उनके मन में गांधी जी के प्रति असीम आदर भाव था। देश जानता है कि विदेश प्रवास के दौरान सुभाष ने ही अपने एक रेडियो भाषण में गांधी जी को सर्वप्रथम 'राष्ट्रपिता' कहकर सम्बोधित किया था लेकिन मतभेद शान्त होने की जगह बढ़ता गया। गांधी जी के कहने पर कार्यकारिणी के 15 पदाधिकारियों में से दो को छोड़कर शेष ने त्यागपत्र दे दिया तो दल की एकता और देश की मजबूती के लिए सुभाष ने विवश होकर अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया और कांग्रेस के अन्दर ही 'फारवर्ड ब्लॉक' बनाकर काम करने लगे लेकिन उन्हें कांग्रेस से निकाल दिया गया। अंग्रेजी शासन ने उनको घर पर नजरबन्द कर दिया पर सुभाष तो दूसरी ही मिट्टी के बने थे, उन्हें कैद रखना अंग्रेजों के लिए आसान न था। जनवरी 1941 में अपने घर पर नजरबंदी के दौरान ही ब्रिटिश पुलिस और जासूसों को चकमा देकर एक पठान के रूप में सुभाष निकल भागे और पेशावर, काबुल, मास्कों होते हुए जर्मनी पहुंचे। हिटलर एवं जर्मनी के अन्य नेताओं से भेंट कर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में सहयोग का वचन प्राप्त किया और वहीं 'आजाद हिन्द रेडियो' की स्थापना की। वहां से आप जापान पहुंच कर जनरल तोजो से भेंट की और जापानी संसद को सम्बोधित किया। जापान के सहयोग से रासबिहारी बोस के मार्गदर्शन में 'आजाद हिन्द फौज' का गठन कर सिपाहियों और नागरिकों का आह्वान किया कि 'तुम मूझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा'। 5 जुलाई, 1943 को सिंगापुर में टाउन हॉल के सामने आजाद हिन्द फौज के वीर सिपाहियों के सम्मुख ओजस्वी भाषण देते हुए 'दिल्ली चलो' का नारा दिया था जिसे प्रत्येक सिपाही ने हृदय से स्वीकार कर बर्मा (अब म्यांमार), कोहिमा, इम्फाल के मोर्चे पर अंग्रेजी सेना से मुकाबला कर दुश्मनों के दांत खट्टे कर दिए। 21 अक्टूबर, 1943 को सुभाष ने आजाद हिन्दुस्तान की अंतरिम सरकार बनाई जिसमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और युद्धमंत्री का दायित्व स्वयं निर्वहन किया। इस आजाद हिन्द सरकार को जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, आयरलैण्ड आदि 9 देशों ने मान्यता प्रदान की थी। और जापान सरकार द्वारा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह सुभाषबाबू की उस अस्थायी सरकार को भेंट किए गये थे जिसे सुभाष ने 'शहीद' और 'स्वराज्य' नाम दे अमर कर दिया। उस अस्थायी सरकार के गठन के 75 वर्ष पूर्ण होने के सुअवसर पर अक्टूबर 2018 में भारत के प्रधानमंत्री मा0 नरेन्द्र मोदी द्वारा लालकिले पर तिरंगा ध्वज फहराकर उसके महत्व को रेखांकित किया गया।

महाराष्ट्र चुनाव ने क्या संदेश दिया है

राजेश कुमार पासी

2014 के बाद से मोदी की राजनीति देश के सिर पर चढ़कर बोल रही है। 2024 लोकसभा चुनाव में जब भाजपा बहुमत से दूर रह गई तो राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा कि अब मोदी की राजनीति का उतराव शुरू हो गया है । विपक्षी दल भी काफी खुश थे कि अब जनता में मोदी का असर कम होने लगा है । लोकसभा चुनाव के बाद कई राज्यों में भाजपा की जबरदस्त जीत ने बता दिया है कि मोदी का असर कम होने की जगह बढ़ गया है । इस साल पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में चुनाव होने वाले हैं, जो यह तय करेंगे कि विपक्ष का भविष्य क्या होगा । महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की थी लेकिन मुंबई महानगरपालिका चुनाव की जीत के अलग मायने हैं । बीएमसी के बजट को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह किसी बड़े राज्य से कम महत्वपूर्ण नहीं है । महाराष्ट्र भाजपा के लिए दूसरा गुजरात बन सकता है । जिस तरह से मोदी ने अपने शासन में धीरे-धीरे विपक्ष को खत्म कर दिया था, वैसे ही महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस भी मोदी के नेतृत्व में विपक्ष के खात्मे की ओर चल पड़े हैं।

विपक्ष के खात्मे का ये मतलब नहीं है कि वो खत्म हो जाएगा बल्कि उसके खात्मे का मतलब है कि वो सत्ता छीनने के काबिल न बचेगा । इस नीति में विपक्ष जिंदा तो रहेगा लेकिन खड़ा होने के काबिल नहीं होगा। भाजपा की हिन्दुत्व और विकास की राजनीति विपक्ष को बहुत भारी पड़ रही है । अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा बहुत प्रोफेशनल पार्टी है. उसका मुकाबला उसके तरीके से ही किया जा सकता है । कोई भी दल परम्परागत तरीके से लड़कर उससे जीत नहीं सकता । सवाल यह है कि क्या अखिलेश यादव के अलावा कोई और विपक्षी नेता इस बात को समझ नहीं पा रहा है । वास्तव में समझ तो सभी को आ रहा है लेकिन भाजपा जैसी राजनीति करना किसी के बस में नहीं है । भाजपा और संघ इतने बड़े बन चुके हैं कि उनसे मुकाबला करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए आसान नहीं रहा है । कांग्रेस दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है और सही मायनों में भाजपा के अलावा वहीं एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है लेकिन सच्चाई यह है कि कांग्रेस धीरे-धीरे अपना प्रभाव खोती जा रही है । बीएमसी चुनाव परिणाम का संदेश यह भी है कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा राजनीतिक धोखे का बदला बड़ी बेदर्दी से लेती है । पहले मोदी-शाह की जोड़ी ने एनसीपी और शिवसेना को दो टुकड़ों में तोड़ दिया और अब महाराष्ट्र में यह जोड़ी पूर्ण वर्चस्व पाने की ओर चल पड़ी है ।

टकराव नहीं, संवाद ही लोकतंत्र का भविष्य

बाबूलाल नागा

आज का समय तेज बदलावों का समय है। तकनीक, संचार और सूचना के इस युग में समाज पहले से कहीं अधिक जुड़ा हुआ दिखाई देता है, लेकिन विरोधाभास यह है कि इसी दौर में व्यक्ति-व्यक्ति के बीच दूरी भी बढ़ती जा रही है। अखबारों की सुर्खियां, टीवी बहसें और सोशल मीडिया की टाइमलाइन–अक्सर भय, आक्रोश, अविश्वास और टकराव से भरी नजर आती हैं। मानो सकारात्मक खबरें अब अपवाद बनती जा रही हों। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या समाज सचमुच इतना नकारात्मक हो गया है, या फिर हम सकारात्मक प्रयासों को देखना और दिखाना भूलते जा रहे हैं?

वर्तमान सामाजिक परिदृश्य पर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि नकारात्मकता केवल एक भावनात्मक स्थिति नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्रवृत्ति बनती जा रही है। असहमति को संवाद के बजाय संघर्ष में बदल देना, विचारों के मतभेद को व्यक्तिगत दुश्मनी समझ लेना और अफवाहों को सत्य मान लेना–ये सभी प्रवृत्तियां लोकतांत्रिक समाज के लिए गंभीर चुनौती हैं। यह स्थिति केवल राजनीतिक बहसों तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी गहराती जा रही है।

सोशल मीडिया ने जहां आम नागरिक को अभिव्यक्ति का मंच दिया है, वहीं उसने जिम्मेदारीहीनता को भी बढ़ावा दिया है। अधूरी जानकारी, भ्रामक वीडियो और उत्तेजक भाषा के जरिए नकारात्मक भावनाएं तेजी से फैलती हैं। परिणामस्वरूप समाज में अविश्वास का माहौल बनता है। लोग एक-दूसरे की बात सुनने के बजाय पहले ही निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं। यह प्रवृत्ति किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं कही जा सकती।

लेकिन इसी तस्वीर का दूसरा पहलू भी है, जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। देश के गांवों, कस्बों और शहरों में ऐसे अनगिनत सकारात्मक प्रयास जारी हैं, जो समाज को जोड़ने का काम कर रहे हैं। कहीं युवा स्वयंसेवी संगठन शिक्षा से वंचित बच्चों को पढ़ा रहे हैं, तो कहीं महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समुदाय की आर्थिक स्थिति बदल रही हैं। कहीं किसान प्राकृतिक खेती अपनाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मिसाल कायम कर रहे हैं, तो कहीं शिक्षक सीमित संसाधनों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का सपना साकार कर रहे हैं।

समस्या यह नहीं है कि समाज में सकारात्मकता समाप्त हो गई है, समस्या यह है कि नकारात्मक खबरों का शोर सकारात्मक प्रयासों की आवाज को दबा देता है। मीडिया की भूमिका यहां अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य केवल सनसनी फैलाना नहीं, बल्कि समाज को दिशा देना भी है। सकारात्मक पत्रकारिता का अर्थ यह नहीं कि समस्याओं को छुपाया जाए, बल्कि यह कि समस्याओं के साथ-साथ समाधान और उम्मीद की कहानियां भी सामने लाई जाएं।

आज भारत जिस सबसे बड़ी चुनौती से जूझ रहा है, वह है–विश्वास का संकट। संस्थाओं पर से भरोसा उठना, एक-दूसरे की नीयत पर संदेह करना और भविष्य को लेकर आशंकित रहना–ये सभी स्थितियां सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करती हैं। विश्वास का पुनर्निर्माण किसी एक नीति या घोषणा से नहीं हो सकता। इसके लिए निरंतर प्रयास, पारदर्शिता और संवेदनशीलता की आवश्यकता होती है।

शिक्षा इस दिशा में सबसे सशक्त माध्यम बन सकती है। यदि शिक्षा केवल रोजगार तक सीमित न रहकर मानवीय मूल्यों, संवैधानिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी शामिल करे, तो आने वाली पीढ़ियां अधिक संतुलित और सहिष्णु बन सकती हैं। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि असहमति का अर्थ विरोधी होना नहीं, बल्कि अलग दृष्टिकोण को समझने का अवसर भी हो सकता है।

समाज में बढ़ती कटुता के बीच संवाद की संस्कृति को पुनर्जीवित करना समय की मांग है। संवाद केवल मंचों और सम्मेलनों तक सीमित न रहे, बल्कि घर, स्कूल, मोहल्ले और कार्यस्थल–हर जगह इसकी शुरुआत हो। जब लोग एक-दूसरे की बात सुनते हैं, तभी समाधान निकलते हैं। संवाद ही वह पुल है, जो विभाजन की खाई को पाट सकता है।

वर्तमान समय में नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अक्सर हम सारी जिम्मेदारी सरकार या व्यवस्था पर डालकर स्वयं को मुक्त समझ लेते हैं, जबकि लोकतंत्र में नागरिक ही सबसे बड़ी ताकत होते हैं। छोटे-छोटे सकारात्मक कदम–जैसे सत्य की जांच करना, नफरत फैलाने वाली सामग्री से दूरी बनाना, जरूरतमंद की मदद करना और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना–बड़े बदलाव की नींव रख सकते हैं। भारत की विविधता उसकी सबसे बड़ी शक्ति रही है। भाषा, धर्म, संस्कृति और परंपराओं की यह विविधता यदि संवाद और सम्मान के साथ निभाई जाए, तो यही विविधता सामाजिक समता का आधार बन सकती है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब विविधता को विभाजन के औजार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

बैंक मित्र का सहयोगी भी गिरफ्तार, बैलेंस चेक कराने के लिए ब्रांच में लगी भीड़

बालजी दैनिक

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में लोगों की फर्जी एफडी करने वाले बैंक मित्र का सहयोगी भी गिरफ्तार हो गया है। वह बैंक ब्रांच में सबको चाय पिलाता था। यहीं से उसकी बैंक अधिकारियों से जान-पहचान हुई। उसने बैंक मित्र शिवा का सहयोग किया। लोगों की एफडी उसी से करवाई। शिवा ने इन हड़पे पैसों से राजाजीपुरम में आलीशान घर बनवा रखा है। मामला पारा थाना क्षेत्र के डॉ. शकुंतला मिश्रा यूनिवर्सिटी स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की ब्रांच का है। कई लोगों के रुपए खाते से गायब होने और फर्जी एफडी की सूचना मिलने के बाद ब्रांच में सभी खाताधारक लगातार पहुंच रहे हैं। मंगलवार को यहां भीड़ देखने को मिली। अपने लाइन में लगकर केवल अपना बैलेंस चेक करवा रहे हैं। पारा पुलिस ने बैंक मित्र शिवा को 19 जनवरी को गिरफ्तार किया था। उसका सहयोगी रहा पूर्व सिक्योरिटी गार्ड भी पकड़ा गया। वह सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी जाने के बाद ब्रांच में सबको चाय पिलाने लगा था। उससे 2.38 लाख रुपए नकद और बैंक से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी शिवा ने करीब डेढ़ करोड़ रुपए का आलीशान मकान बना

रखा है, जिसकी जांच अब तेज कर दी गई है। पारा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेश सिंह के मुताबिक, शकुंतला विश्वविद्यालय परिसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में शिवा राव बैंक मित्र के तौर पर काम करता था। करीब 2 दर्जन लोगों ने 12 जनवरी को बैंक परिसर में आकर हंगामा कर दिया था। उसके बाद पारा थाने में लिखित शिकायत भी दी थी। उसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज करते हुए शिवा को बैंक से ही गिरफ्तार कर लिया गया। उसके सहयोगी दुबग्गा के दौलतखेड़ा के दिलीप कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया। दिलीप बैंक परिसर के एटीएम बूथ में सिक्योरिटी गार्ड था। 2019 में नौकरी से हटाए जाने के बाद भी दिलीप बैंक परिसर में चाय पिलाने और बैंक खोलने-बंद करने जैसे काम करता रहा। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2020 से शिवा ने ग्राहकों को जाली एफडी देना शुरू कर दिया। इस फर्जीवाड़े में दिलीप ने नकली दस्तावेज तैयार करने और रकम के लेन-देन में अहम भूमिका निभाई। ठगी से जुड़े सबूत शिवा के मोबाइल में मौजूद थे, जिसे उसने तोड़ दिया था। पुलिस ने मोबाइल डेटा रिकवरी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं, दिलीप के मोबाइल से भी संदिग्ध ट्रांजैक्शन के सबूत मिले हैं। इंस्पेक्टर ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि 2020 से अब तक बैंक में चार अलग-अलग मैनेजर तैनात रहे हैं। मामले की कड़ियां जोड़ने के लिए इन सभी से पूछताछ की जाएगी। पुलिस को जानकारी मिली है कि शिवा ने राजाजीपुरम के सरीपुरा इलाके में डेढ़ करोड़ रुपए का आलीशान मकान बनवाया है। अब यह जांच की जा रही है कि मकान कब और किन पैसों से बनाया गया, साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि मकान किसके नाम पर है। यदि यह संपत्ति अपराध से अर्जित धन से बनाई गई पाई जाती है तो कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि शिवा के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बैंक में 70 हजार रुपए से अधिक की सीधी जमा-निकासी संभव नहीं थी, इसलिए उसने फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की परतें खोलने में जुटी है।

लापता युवक का शव मिला, हत्या की आशंका

लखनऊ। दुबग्गा थाना क्षेत्र के कटौली गांव में चार दिन से लापता युवक का शव सोमवार देर रात गांव के बाहर बेहता नदी में उतराता हुआ मिला। शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई और परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। खेतों में पानी लगा रहे किसानों ने नदी में शव देखा और तत्काल पुलिस व मृतक के परिजनों को सूचना दी। मृतक की पहचान कटौली गांव निवासी मजदूर मनोज यादव (24) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, मनोज बीते 15 जनवरी की देर रात बिना बताए घर से निकल गया था। जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटा और उसका मोबाइल भी बंद मिला, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कोई सुराग न मिलने पर दुबग्गा थाने में मनोज की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मृतक के भाई रमेश यादव ने बताया कि मनोज के लापता होने वाले दिन ही गांव के बाहर पश्चिम दिशा में करीब 500 मीटर की दूरी पर उसका एक जूता और लोवर पड़ा हुआ मिला था।

सत्रों की अवधि कम होने पर मायावती ने जताई चिंता, लिखा-गंभीर विषय, विचार करें सरकार और विपक्ष

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने देश की संसद और राज्यों की विधानसभाओं में सत्रों की अवधि कम होने पर मंगलवार को चिंता जताई और कहा कि सरकार और विपक्ष को इस पर अति गंभीर होकर विचार करना चाहिए। बसपा प्रमुख मायावती ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट में कहा देश में संसद व राज्य विधानमंडलों के सत्र के घटते समय के साथ-साथ हर बार इनके भारी हंगामेदार एवं स्थगन आदि से इनकी जन उपयोगिता का घटता प्रभाव अक्सर गंभीर चिंता का विषय रहा है। लखनऊ में इन दिनों चल रहे पीठासीन अधिकारियों के तीन-दिवसीय 86 वें अखिल भारतीय सम्मेलन के दौरान विधानमंडलों की कार्यवाही के लगातार घटते समय पर चिंता व्यक्त किया जाना उचित, सामयिक व सराहनीय है जिस पर सरकार और विपक्ष दोनों को अति-गंभीर होकर इस

पर विचार करना चाहिये। उप्र की चार बार मुख्यमंत्री रह चुकीं बसपा की शीर्ष नेता ने कहा कि संसद व विधानमण्डलों की कार्यवाही साल में कम-से-कम 100 दिन के कैलेण्डर तथा सही नियमों के हिसाब से शांति-व्यवस्था के साथ चले, यह बहुत जरूरी है। लखनऊ में पीठासीन अधिकारियों का 86वां अखिल भारतीय सम्मेलन 19 जनवरी को शुरू हुआ और 21 जनवरी तक चलेगा। मायावती ने कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ द्वारा श्सरकारी मान्यता नहीं होना मदरसा को बंद करने का आधार नहीं सम्बंधी दिया गया फैसला अति-महत्वपूर्ण व सामयिक है तथा इस आधार पर श्रावस्ती में मदरसे पर लगी सील 24 घंटे में हटाने के निर्देश का भी स्वागत योग्य है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वैसे भी संभवतः यहाँ कोई भी सरकार नीतिगत तौर पर प्राइवेट मदरसों के विरुद्ध नहीं है, बल्कि जिला स्तर पर अधिकारियों की मनमानी का ही शायद यह परिणाम है कि इस प्रकार की अप्रिय घटनाओं की खबरें आती रहती हैं, जिस पर सरकार को उचित संज्ञान लेना चाहिये।

हजरतगंज चौराहे पर डायवर्जन से लखनऊ जाम, वाहनों की लगी लंबी कतार

लखनऊ। लखनऊ में 86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों और 62वां सचिवों का सम्मेलन चल रहा है। सम्मेलन के मद्देनजर हजरतगंज इलाके ट्रैफिक डायवर्जन किया गया है। इससे शहर में जाम के हालात पैदा हो गए हैं। कैंट सदर में लंबा जाम लग गया है। कैसरबाग और उसके आसपास जाम के हालात पैदा हो गए हैं। शहर का मुख्य चौराहा हजरतगंज है। यहां पर किए गए

डायवर्जन के बाद वैकल्पिक मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। इसके बाद प्रभात सिनेमा के आसपास, कैंट मॉल एवेन्यू समेत कैसरबाग, गोलागंज में जाम लग गया। खासतौर पर कैंट माल एवेन्यू न्यू और सदर फ्लाईओवर के पास जाम की स्थिति बन गई। जाम में काफी देर तक स्कूल के छात्र और राहगीर फंसे रहे। हजरतगंज चौराहे से सिविल अस्पताल और सीएम आवास जाने वाले रोड पर भी भीषण जाम लग गया। इस दौरान तमाम छात्र स्कूल वाहन को छोड़कर पैदल ही जाते नजर आए।ऐसे में ट्रैफिक जाम की वजह से छात्रों को सबसे अधिक समस्या हुई।

गोमतीनगर से डिब्रूगढ़ के लिए रवाना हुई अमृत भारत एक्सप्रेस

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर रेलवे स्टेशन से आज दोपहर 1.00 बजे अमृत भारत एक्सप्रेस मां कामाख्या होते हुए डिब्रूगढ़ के लिए रवाना हुई। यह ट्रेन उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम के प्रमुख स्टेशनों से गुजरते हुए पूर्वोत्तर भारत तक सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगी। गोमतीनगर से चलने के बाद अमृत भारत एक्सप्रेस अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम, मनकापुर, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, नौगछिया, कटिहार, बारसोई, किशनगंज, अलुआबाड़ी रोड, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूचबिहार, न्यू अलीपुरद्वार, कोकराझार, न्यू बोंगाईगांव, बारपेटा रोड, नलबाड़ी, रंगिया, कामाख्या, गुवाहाटी, जागी रोड, चापरमुख, होजई, लम्डिंग, दीफू, दीमापुर, फरकाटिंग, मरियानी, सिमालगुड़ी, मोराणहाट होते हुए अंत में डिब्रूगढ़ पहुंचेगी। असम के रहने वाले शरद ने बताया कि हम लखनऊ से अपनी तैयारी कर रहे हैं। अभी अपने घर असम जा रहे हैं। इस ट्रेन में काफी शानदार व्यवस्था है। साफ-सफाई भी बहुत अच्छी है। सिक्योरिटी पर्पज से कैमरे भी लगाए गए हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज सिंह ने बताया कि इस नई अमृत भारत एक्सप्रेस के संचालन से लखनऊ और आसपास के इलाकों के यात्रियों को असम और पूर्वोत्तर राज्यों तक सीधी, तेज और सुरक्षित रेल सेवा मिलेगी।

निकाह के लिए मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक, उतारने के लिए समझाती रही पुलिस

लखनऊ। मोहनलालगंज में एक युवक एक लड़की से निकाह कराने की जिद लेकर 150 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ गया। वहां से लड़की का नाम लेकर चिल्लाने लगा कि उससे मेरा निकाह करा दो। युवक के टावर पर चढ़ने की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। पुलिसवाले उसे समझाने लगे, लेकिन वह उतर नहीं रहा था। घटना पीजीआई कैंपस की है। मंगलवार सुबह इरशाद खान नाम का युवक मोबाइल फोन टावर पर चढ़ गया। पहुंची पुलिस ने एहतियातन टावर के आसपास के क्षेत्र को घेर लिया। लोगों को वहां जाने से रोका। यह ड्रामा देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस करीब 1 घंटे तक उसे समझाती रही। युवक पीजीआई इलाके में रहता है। पीजीआई कैंपस सहित आसपास के गांवों में वह जंगली जीवों का रेस्क्यू करता है। वह कई बार कैंपस के अंदर ही निकले अजगर, बिज्जू आदि का रेस्क्यू कर चुका है। पिछले साल अस्पताल परिसर में ही अजगर निकला था जिसे इरशाद ने रेस्क्यू किया था। अजगर करीब 10 फीट लंबा था। इसी 4 जनवरी को पीजीआई के पल्मोनरी वार्ड बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर स्थित वेटिंग हॉल में जंगली बिल्ली (बिज्जू) दिखी थी। उसे पकड़ने के लिए लोगों ने इरशाद को बुलाया था। इरशाद ने बिल्ली को बिना किसी नुकसान के सुरक्षित पकड़ लिया। बाद में उसे गौतमखेड़ा जंगल में छोड़ दिया। पीजीआई प्रशासन ने पुलिस बुला ली है। जोन के कई अधिकारी अस्पताल परिसर पहुंचे हैं। बैठक में वर्तमान हालात और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं।

वरिष्ठ पत्रकार के. बख्श सिंह बने एनयूजे उत्तर प्रदेश के कार्यवाहक अध्यक्ष

एनयूजे प्रयागराज के कैलेन्डर का नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ने किया अनावरण

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, उत्तर प्रदेश (एनयूजे) की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में संगठनात्मक दृष्टि से अहम निर्णय लिए गए। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार के. बख्श सिंह को कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष नामित किया गया। इसके साथ ही ट्रस्ट डीड रजिस्ट्रेशन से जुड़े विवाद पर कड़ा रुख अपनाते हुए तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

रविवार को राजधानी लखनऊ स्थित होटल द कॉन्टिनेंटल में आयोजित प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में प्रदेश कार्यसमिति के पदाधिकारियों के साथ-साथ अधिकांश जनपद इकाइयों के अध्यक्ष, महामंत्री और कोषाध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री संतोष भगवन ने किया। इस दौरान संरक्षक अजय कुमार, अशोक अग्निहोत्री और के. बख्श सिंह संरक्षत्व में मंच साझा किया गया। मंच पर प्रदेश कोषाध्यक्ष अनुपम चौहान भी मौजूद रहे। इसी बीच प्रयागराज इकाई के कोषाध्यक्ष मनोज कुमार का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया।

के. बख्श सिंह बने कार्यवाहक अध्यक्ष

बैठक की शुरुआत में प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक कुमार जैन ने के. बख्श सिंह को कार्यवाहक अध्यक्ष नामित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे संरक्षक अजय कुमार ने समर्थन दिया। सभागार में मौजूद सभी सदस्यों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ प्रस्ताव का स्वागत किया। इसके बाद प्रदेश उपाध्यक्ष निर्भय सक्सेना ने कार्यवाहक अध्यक्ष के नेतृत्व में आगे की कार्यवाही संचालित करने की बात कही।

संगठन और ट्रस्ट विवाद पर तीखे विचार

इसी बीच, प्रदेश उपाध्यक्ष हिमांशु सिंह ने कहा कि किसी भी निजी ट्रस्ट को पत्रकार संगठन की मान्यता नहीं दी जा सकती। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन का नेतृत्व ऐसा होना चाहिए जो पत्रकारों के जायज़ मुद्दों को मजबूती से उठा सके। प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अतुल मोहन सिंह ने संगठन में समान सम्मान और समभाव की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामान्य सदस्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शीर्ष नेतृत्व।

प्रदेश सचिव राकेश श्रीवास्तव, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य हरीश सैनी, प्रयागराज जिलाध्यक्ष कुंदन श्रीवास्तव, चंदौली जिलाध्यक्ष दीपक सिंह, सुल्तानपुर सदस्य अरुण जायसवाल एवं श्याम चंद्र श्रीवास्तव, आजमगढ़ से आये डॉ. संतोष श्रीवास्तव सहित कई वक्ताओं ने संगठनात्मक एकता, पारदर्शिता और सक्रिय नेतृत्व की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। इसके बाद लखनऊ की कार्यवाहक जिलाध्यक्ष मीनाक्षी वर्मा ने सभी जनपद इकाइयों को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

'हम रेखा मिटाने में नहीं, नई रेखा बनाने में विश्वास करते हैं'

संरक्षक अजय कुमार ने कहा कि संगठन की शक्ति उसकी एकता में होती है। उन्होंने कार्यवाहक अध्यक्ष के. बख्श सिंह को संगठन का मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा कि उनकी सक्रियता से पत्रकारों की समस्याओं का समाधान होगा। कार्यवाहक अध्यक्ष के. बख्श सिंह ने कहा कि वे किसी बड़े वादे की बजाय सदस्यों की उम्मीदों, आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का ईमानदार प्रयास करेंगे और संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

केंद्रीय नेतृत्व का बड़ा ऐलान

संरक्षक एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. अरविंद सिंह ने स्पष्ट किया कि विवाद की जड़ बने नवगठित ट्रस्ट को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जल्द ही उत्तर प्रदेश इकाई के चुनाव कराए जाएंगे, जो केंद्रीय पर्यवेक्षक और चुनाव अधिकारी की देखरेख में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष होंगे। लखनऊ इकाई की ओर से कार्यवाहक जिलाध्यक्ष मीनाक्षी वर्मा, महामंत्री श्यामल त्रिपाठी और कोषाध्यक्ष अभिनव श्रीवास्तव और संगठन मंत्री अनिल सिंह के नेतृत्व में प्रदेश भर से आए पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर शिव सागर सिंह, पंकज सिंह चौहान, पूनम कुमारी, शिवेंद्र पाण्डेय, आलोक श्रीवास्तव, मनीषा सिंह, टीटू शर्मा, नागेंद्र सिंह, किरन सिंह, फरहान इराकी, रोलैंड डिसूजा, सचिन भार्गव, के.के. सिंह समेत बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

मणिकर्णिका घाट मंदिर मामले में विरोध प्रदर्शन आप नेताओं को पुलिस ने घसीटा

लखनऊ। काशी के मणिकर्णिका घाट पर प्राचीन मंदिरों को तोड़े जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी ने लखनऊ में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस से उनकी तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस ने आप नेताओं और कार्यकर्ताओं को घसीट और टांगकर बस में बैठाया। उन्हें ईको गार्डन ले गए। पार्टी के जिला महासचिव ज्ञान सिंह कुशवाहा ने बताया कि यह सरकार हमारे इतिहास को मिटाना चाहती है। सरकार पुराने मंदिरों को मिटा रही है। हमारी संस्कृति पर सीधे तौर पर यह हमला कर रही है। यह सरकार अपना नया साम्राज्य गढ़ रही है। यह पूरी तरीके से हिंदू विरोधी सरकार है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह के निर्देश पर जिला पदाधिकारियों ने यह प्रदर्शन किया। आप का

कहना है कि यह मामला केवल निर्माण या विकास का नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के सम्मान से जुड़ा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर धार्मिक स्थलों से की गई छेड़छाड़ स्वीकार्य नहीं है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय कराई जाएगी। पार्टी नेताओं ने कहा कि मणिकर्णिका घाट काशी की पहचान और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण प्रतीक है। यहां मौजूद प्राचीन मंदिरों के साथ किसी भी तरह की तोड़फोड़ से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। आप ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नगर निगम कर्मचारी संघ ने दी संस्थापक सदस्य "रूप" को श्रद्धांजलि

लखनऊ । नगर निगम कर्मचारी संघ ने अपने संगठन के कार्यालय 60, संघ भवन द्वितीय तल लालबाग नगर निगम लखनऊ में संगठन संस्थापक सदस्य व पूर्व उपाध्यक्ष स्वर्गीय अरविन्द कुमार "रूप" के 19-जनवरी 26 को हुये देहांत पर शोक सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर कर्मचारियों ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके कर्मचारी समाज में किये गये योगदान को याद किया। स्व. अरविन्द कुमार "रूप" नगर निगम कर्मचारी संघ के पूर्व उपाध्यक्ष थे और उन्होंने संगठन को बनाने में मुख्य भूमिका निभाई थी। उनकी बातों पर चर्चा की गई और संगठन हित में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला गया।सभा में स्वर्गीय अरविन्द कुमार "रूप" के देहांत पर शोक प्रस्ताव पारित किया गया और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की गई।

ई-रिक्शा पलटने से चालक की मौत, नहर किनारे मिला शव

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह 7 बजे सड़क हादसे में ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई। यह हादसा नबीनगर गांव के पास उस समय हुआ, जब ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। मृतक की पहचान अर्जुन पाल (50) निवासी मलिहाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को नहर किनारे सड़क से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के बेटे रिंकू ने बताया कि उनके पिता अर्जुन पाल मंगलवार तड़के करीब तीन बजे ई-रिक्शा लेकर घर से निकले थे। बताया जा रहा है कि नबीनगर गांव के पास अचानक सामने से कोई अज्ञात जंगली जानवर आ गया, जिससे ई-रिक्शा असंतुलित होकर पलट गया। हादसे के बाद अर्जुन पाल सड़क किनारे नहर के पास गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों को घटना की जानकारी तब मिली, जब स्थानीय लोगों ने नबीनगर गांव से लगभग डेढ़ किलोमीटर आगे नहर के पास सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर परिजनों ने शव की पहचान अर्जुन पाल के रूप में की। घटनास्थल के पास ही ई-रिक्शा भी पलटा हुआ मिला। मृतक के चेहरे, हाथ और पैरों पर गंभीर चोटों के कई निशान पाए गए। सूचना मिलने पर मलिहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), लखनऊ भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य भी जुटाए हैं। इस संबंध में मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में ई-रिक्शा पलटने से ही चालक की मौत होने की बात सामने आ रही है। उन्होंने बताया कि फिलहाल मृतक के परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है।

500 किमी की ऐतिहासिक पदयात्रा! बुंदेलखंड की जल सहेलियां 29 जनवरी से निकालेंगी यमुना बचाओ अभियान

लखनऊ। यमुना नदी के संरक्षण, अविरलता और निर्मलता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बुंदेलखंड की चर्चित जल सहेली संगठन की ओर से लगभग 500 किलोमीटर से अधिक लंबी यमुना यात्रा की शुरुआत 29 जनवरी 2026 को पंचनद (जालौन-इटावा) से की जाएगी। यह यात्रा एक माह तक चलेगी और दिल्ली तक पहुंचेगी। इसे दुनिया की सबसे लंबी महिलाओं की यमुना यात्रा बताया जा रहा है। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। बुंदेलखंड क्षेत्र में पिछले करीब एक दशक से जल संरक्षण अभियान में सक्रिय जल सहेलियां अब तक क्षेत्र की छह सूखी नदियों को पुनर्जीवित, तथा हजारों तालाबों को बचाने और संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी हैं। जल संरक्षण के क्षेत्र में उनके कार्यों की सराहना प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति स्तर तक हो चुकी है, वहीं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उनके प्रयासों का उल्लेख किया गया है। जल सहेलियों की इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य यमुना नदी के प्रदूषण को लेकर जागरूकता बढ़ाना, नदी के प्रति जनभागीदारी सुनिश्चित करना और स्वच्छता, संरक्षण व पुनर्जीवन के संदेश को समाज तक पहुंचाना है। संगठन के अनुसार, यमुना आज गंभीर प्रदूषण की समस्या से जूझ रही है, जबकि इसका धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व अत्यंत बड़ा है। जल सहेली संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा देवी ने बताया कि यह पूरी मुहिम हजारों महिलाओं के सामूहिक सहयोग से संचालित हो रही है। वर्तमान में संगठन से 3000 से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं, जो बिना किसी सरकारी या गैर-सरकारी सहायता के स्वयं के श्रम, योगदान और समर्पण से जल संरक्षण कार्य कर रही हैं। यह यात्रा जालौन से प्रारंभ होकर इटावा, आगरा, मथुरा और हरियाणा होते हुए फरीदाबाद, पलवल से गुजरते हुए दिल्ली में समाप्त होगी।

वृद्ध जनो की सेवा सबसे नेक व पुनीत कार्य - प्रमोद मिश्रा

अन्नपूर्णा सेवा संस्थान द्वारा वृद्ध आश्रम मे हुआ स्नेह भोज

बालजी दैनिक

अयोध्या। माँ अन्नपूर्णा सेवा संस्थान के बैनर तले रामनगरी अयोध्या धाम के मणिपर्वत स्थित वृद्धा आश्रम में शबरी होटल के ऑनर व समाजसेवी प्रमोद मिश्रा की ओर से आश्रम में रह रही सभी वृद्धजनो क़ो सम्मानपूर्वक स्वादिष्ट व पौष्टिक भोजन कराया गया। इस मौक़े पर समाजसेवी प्रमोद मिश्रा ने कहा कि इन वृद्धजनो की सेवा करके आत्मिक संतुष्टि मिल रहा हैं और इनकी सेवा करके वही पुण्य अर्जित होता हैं जो पुण्य तीर्थ यात्रा से मिलता हैं। अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के जिला अध्यक्ष सत्य देव मिश्रा ने बताया कि वृद्धाआश्रम इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि हमारा नैतिक पतन तेजी से हो रहा हैं। माता पिता की सेवा प्रभु सेवा के तुल्य हैं और हमें अपने बच्चों में संस्कार पूर्ण शिक्षा देने की जरूरत हैं। मां अन्नपूर्णा सेवा संस्थान के प्रबंधक राजेश चौबे ने बताया कि अयोध्या में कोई भूखा न सोये इस संकल्प क़ो लेकर संस्था द्वारा निरंतर अलग अलग स्थानों पर जरुरतमंदो जन सहयोग से भोजन कराया जा रहा हैं और इस सेवा कार्य से 2022 से संस्था द्वारा लाखों लोगों क़ो भोजन कराया जा चुका हैं। चाणक्य परिषद से जुड़े सचिन तिवारी ने कहा कि वृद्धा आश्रम किसी मंदिर से कम नही हैं और साल मे कम से कम एक दिन इन बुजुर्ग जनों के बीच व्यतीत कर इनके दर्द क़ो महसूस करना चाहिए।

समापन पर वृद्धा आश्रम के अमरेश चंद्र मिश्रा जी ने सभी सेवादारों क़ो राम नामी अंगवस्त्र से सम्मानित किया। इस पुनीत मौक़े पर नीलम मिश्रा, रीमा मिश्रा,आचार्य राकेश पाण्डेय, विनय तिवारी, डॉ मनीष राय, आकाश गुप्ता, संजय तिवारी, विजय वर्मा व अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

लाखों की लागत से बना पंचायत भवन बना 'ताले का कैदी'! ग्रामीणों की सुविधा पर ताला, शासन की मंशा पर सवाल!

बालजी दैनिक

अंबेडकरनगरः शासन की करोड़ों की योजनाओं का क्या हाल है? क्या लाखों रुपये पानी में बह रहे हैं? ये सवाल उठ रहे हैं ग्राम पंचायत हथिना राज में, जहां विकासखंड रामनगर के अंतर्गत बना भव्य पंचायत भवन उपेक्षा की भेंट चढ़ गया है। लाखों रुपये की लागत से वर्ष 2023-24 में निर्मित यह भवन, जो ग्रामीणों को 'एक छत के नीचे सभी सुविधाएं' देने का वादा लेकर खड़ा हुआ था, आज तालों से जकड़ा हुआ है। मीडिया की पड़ताल ने खोला राज - दोपहर 1:30 बजे तक भवन का ताला बंद! क्या यह है ग्रामीण विकास की हकीकत?हथीना राज के ग्रामीणों से बातचीत में सामने आया कि पंचायत भवन, जो पंचायती राज विभाग की महत्वाकांक्षी योजना के तहत बनाया गया था, अब भूतिया इमारत जैसा लगता है। भवन पर लटकते जंग लगे ताले चीख-चीख कर गवाही दे रहे हैं कि यहां न तो पंचायत सचिव आते हैं, न ही कोई सरकारी कामकाज। 'शासन की मंशा थी कि राशन कार्ड, पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र सब एक जगह मिले, लेकिन यहां तो ताला ही नहीं खुलता!' - एक स्थानीय किसान ने गुस्से में कहा। क्या यह सरकारी लापरवाही का चरम है?वो हमारी टीम ने सुबह से दोपहर तक भवन का मुआयना किया। 1:30 बजे तक ताला जस का तस! आसपास के लोग बताते हैं कि महीनों से भवन बंद पड़ा है। बिजली कनेक्शन कटा हुआ, दीवारें दरक रही हैं, और अंदर धूल की मोटी परत। जबकि शासन के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, यह भवन ग्रामीणों के लिए हब बनना था - जहां से विकास योजनाओं का लाभ सीधा पहुंचे। लेकिन हकीकत? ग्रामीणों को मीलों दूर तहसील जाना पड़ता है, और सरकारी अधिकारी गायब। पंचायती राज मंत्री के बयान याद कीजिए - 'हर गांव में आधुनिक पंचायत भवन, विकास की गारंटी!' लेकिन हथीना राज में यह दावा खोखला साबित हो रहा है। क्या फंड की बंदरबांट हुई? क्या अधिकारियों की मिलीभगत से भवन बेकार पड़ा है? स्थानीय विधायक और जिला प्रशासन से जवाब मांगा गया, लेकिन अभी तक चुप्पी! ग्रामीणों का आरोप - 'लाखों खर्च कर भवन बनाया, लेकिन सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं!'जनता की मांगः हथीना राज के सैकड़ों ग्रामीण अब सड़क पर उतरने की तैयारी में हैं। 'हम टैक्स देते हैं, वोट देते हैं, लेकिन सुविधा शून्य!' - एक महिला ने कहा। क्या शासन जागेगा? या यह भवन हमेशा के लिए ताले का शिकार रहेगा?यह खबर विकास की पोल खोलती है।

नदियों के पुराने प्रवाह मार्गों की पहचान कर उन्हें सक्रिय किया जाय

गोण्डा। जनपद में आज जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में टेढ़ी नदियों की साफ-सफाई, पुनर्जीवन, जीर्णोद्धार और सुरक्षित क्षेत्रफल सुनिश्चित करने को लेकर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में संबंधित तहसीलों के उपजिलाधिकारी,नदियों से जुड़े क्षेत्रों के राजस्व निरीक्षक और लेखपाल उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद की टेढ़ी नदियां प्राकृतिक धरोहर हैं, जिनका संरक्षण एवं संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नदियों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि जल प्रवाह बाधित न हो और पर्यावरण संतुलन बना रहे। साथ ही, नदियों में हो रहे अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए उसके चिन्हांकन और त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। डीएम ने पुनर्जीवन एवं जीर्णोद्धार कार्यों पर विशेष बल देते हुए कहा कि नदियों के पुराने प्रवाह मार्गों की पहचान कर उन्हें पुनः सक्रिय किया जाए।

नया घाट पर हादसा, सरयू स्नान के बाद फिसलकर गिरे 11 वर्षीय बालक की जल पुलिस ने बचाई जान

जल पुलिस की तत्परता से टली अनहोनी, सरयू घाट पर घायल बालक का समय पर इलाज हुआ शुरू

बालजी हिन्दी दैनिक

अयोध्या धाम । नया घाट कच्चा घाट पर सरयू नदी में स्नान करने के पश्चात बाहर निकलते समय सीढ़ी से फिसलकर गिर जाने के कारण 11 वर्षीय बालक आलोक चौबे उर्फ सौरव, पुत्र पंकज चौबे, निवासी कोदौरा, थाना थानगांव, जिला सीतापुर के सिर में गंभीर चोट लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही जल पुलिस प्रभारी रूबे प्रताप मौर्य एवं कॉन्स्टेबल नित्यानन्द यादव तत्काल मौके पर पहुंचे। जल पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण से घायल बालक को तुरंत केंद्रीय जल आयोग के निकट स्थित अस्थायी चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। उपचार के समय परिजन उपस्थित रहे। चिकित्सकों के अनुसार बालक की स्थिति फिलहाल सामान्य एवं कुशल है। जल पुलिस की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी अनहोनी टल गई, जिसकी स्थानीय लोगों द्वारा सराहना की जा रही है।

गैंगस्टर कप्तान सिंह ने कोर्ट में किया सरेंडर

गोण्डा । जिले में बीते दो माह से फरार चल रहे 50 हजार रुपए के इनामी गैंगस्टर भूपेंद्र सिंह उर्फ कप्तान सिंह ने पुलिस को चकमा देते हुए न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया है। गोंडा की एसओजी टीम,नगर कोतवाली पुलिस और यूपी एसटीएफ उसकी तलाश कर रही थी। न्यायालय ने आरोपी भूपेंद्र सिंह उर्फ कप्तान सिंह को वर्ष 2023 में नगर कोतवाली क्षेत्र में हुए मारपीट के एक मामले में न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपी कप्तान सिंह पर पहले गोंडा के कौड़िया बाजार थाने से 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। जब उसकी गिरफ्तारी नहीं हो पाई तो देवीपाटन रेंज के डीआईजी अमित पाठक ने बीते 10 नवंबर को उस पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया।

राम जन्मभूमि परिसर में सचिवालय का निर्माण शुरू, 42 कमरों का भवन बनेगा, 6 करोड़ रुपए खर्च होंगे

बृजेश सेन/ बालजी दैनिक

अयोध्या धामः श्रीराम जन्मभूमि परिसर में एकीकृत सचिवालय का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। यह भवन श्रीराम मंदिर निर्माण परियोजना का हिस्सा नहीं है, बल्कि परिसर से जुड़ी अलग-अलग व्यवस्थाओं और परियोजनाओं के संचालन व निगरानी को एक ही छत के नीचे लाने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है। इसी वजह से इसकी अलग से कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई।एकीकृत सचिवालय का निर्माण परिसर के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में एसटीपी-2 के पास कराया जा रहा है। इसका मकसद राम मंदिर परिसर से जुड़े विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को एक ही स्थान पर तैनात करना है, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में तुरंत सूचना मिल सके और समय रहते समाधान किया जा सके।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस परियोजना की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम की अयोध्या यूनिट को सौंपी है। निर्माण निगम के अधिकारियों के अनुसार सचिवालय का निर्माण प्री-फैब्रिकेटेड स्ट्रक्चर तकनीक से किया जा रहा है, जिस पर करीब छह करोड़ रुपए खर्च होंगे।सचिवालय भवन में कुल 42 कमरे बनाए जा रहे हैं। फाउंडेशन और प्लिंथ का कार्य पूरा होने के बाद कॉलम खड़े करने का काम शुरू कर दिया गया है। कुल 58 कॉलमों के सापेक्ष अब तक 17 कॉलम खड़े किए जा चुके हैं। भवन में एमएस पैनल और फॉल सीलिंग लगाए जाने की योजना है।एकीकृत सचिवालय के बन जाने से राम मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं में बड़ी सुविधा होगी। बिजली, पानी जैसी मूलभूत जरूरतों के लिए किसी अन्य संस्था पर निर्भरता नहीं रहेगी। साथ ही किसी भी समस्या या आपात स्थिति में त्वरित निर्णय और समाधान संभव हो सकेगा।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रियांशी साहू ने बाजी मारी

राजेश जायसवाल/बालजी दैनिक

गोंडाः श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोंडा में दिनांक 20/ 1/ 2026 को स्वामी विवेकानंद युवा उत्सव पखवाड़े के अंतर्गत चलाई जा रही विभिन्न पाठ्य सहगामी गतिविधियों के अंतर्गत विद्यार्थियों मे सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। समारोह अधिकारी प्रो. जितेंद्र सिंह ने बताया कि पाठ्य सहगामी गतिविधियों के तहत आयोजित प्रतियोगिता में 433 छात्र-छात्राओं ने बहुत उत्साह के साथ प्रतिभाग़ किया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर चमन कौर ने बताया आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सड़क सुरक्षा हमारे जीवन का अहम हिस्सा है, क्योंकि हर साल लाखों लोग लापरवाही एवं जागरूकता की कमी के कारण सड़क दुर्घटनाओं के शिकार होते हैं इसलिए हमें हेलमेट, सीट बेल्ट, ज़ेबरा क्रॉसिंग और ट्रैफिक संकेत का पालन करना चाहिए और शराब पीकर गाड़ी चलाने से बचना चाहिए क्योंकि सुरक्षित रहना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि स्वयं भी सुरक्षित रहें और दूसरोंकोभीजागरूक करें।

आई क्यू ए सी समन्वयक प्रोफेसर जितेंद्र सिंह ने कहा हर साल भारत में लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओ में अपनी जान गवाते हैं या गंभीर रूप से घायल होते हैं। इन दुर्घटनाओं का मुख्य कारण अक्सर हमारी लापरवाही, नियमों की अनदेखी और जागरूकता की कमी है। प्रियांशी साहू एमएससी थर्ड सेमेस्टर प्रथम स्थान ,पिंकी गुप्ता बीएड प्रथम वर्ष एवं मेहविश महाराज एमएससी प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान एवं खुशी कौशल बीए थर्ड ईयर ने तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्रो अमन चंद्रा, प्रो शशिवाला, डॉ रेखा शर्मा निर्णायक मंडल की भूमिका में रहे।

वाहनों को नियंत्रित गति से चलाकर जिम्मेदार नागरिक का फर्ज निभाएं-डॉ. सुधीर श्रीवास्तव

मां तिलेसरा देवी पीजी कॉलेज से निकली सड़क सुरक्षा पखवाड़ा -2026 की जन-जागरूकता रैली रैली निकालकर सैकड़ो छात्र - छात्राओं ने दिया आमजनों को सड़क सुरक्षा का संदेश

बालजी दैनिक

अम्बेडकर नगर । आज दिनांक 20जनवरी 2026 को मां तिलेसरा देवी पी0जी0 कॉलेज, भसड़ा टांडा, जनपद अम्बेडकर नगर के छात्र- छात्राओ द्वारा सड़क सुरक्षा पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत एक भव्य जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में महाविद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। रैली का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर से हुआ, जो भसड़ा, पहाड़पुर एवं बलया जगदीशपुर गांवों से होकर निकली । रैली के दौरान छात्र-छात्राओं ने हाथों में तख्तियां, पोस्टर और बैनर लेकर 'हेलमेट पहनना जरूरी है', 'जीवन अनमोल है–सुरक्षा अपनाएं', 'यातायात नियमों का पालन करें' जैसे नारे लगाए। रैली में शामिल छात्राओं ने राह चलते लोगों, दोपहिया वाहन चालकों और ग्रामीणों को हेलमेट लगाने, सीट बेल्ट के उपयोग, तेज गति से वाहन न चलाने तथा यातायात नियमों के पालन से होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सुधीर श्रीवास्तव ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए युवाओं की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं मुख्य नियंता डॉ0 सुशील कुमार ने छात्रों को सुरक्षित यातायात की आदतों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर बी0एड0 विभागाध्यक्ष डॉ0 अश्वनी कुमार , एन0एस0एस0 कार्यक्रमाधिकारी अभिषेक पांडेय (प्रथम इकाई) एवं डॉ0 शिवानी श्रीवास्तव (द्वितीय इकाई) ने भी छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि हेलमेट और यातायात नियमों का पालन न केवल स्वयं की सुरक्षा करता है, बल्कि दूसरों के जीवन को भी सुरक्षित बनाता है। रैली में महाविद्यालय के शिक्षकगण प्रमोद पटेल, सुनील कुमार वर्मा, डॉ0 अमित शर्मा, सुश्री लक्ष्मी देवी , शिव प्रकाश, इंद्रेश कुमार , संदीप कुमार सहित अन्य प्राध्यापक एवं प्राध्यापिकाएं उपस्थित रहीं। छात्र-छात्राओं में रिंका, गरिमा गौड़, मोनिका, रिमझिम पटेल, साक्षी वर्मा, रूपाली, रुचि प्रजापति, शर्तिमा, सोनाली, प्रीति ,रूबी प्रजापति, मुस्कान वर्मा, आस्था शर्मा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। अंत में रैली का समापन पुनः महाविद्यालय परिसर में हुआ, जहां सभी प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा के नियमों को स्वयं अपनाने और समाज में प्रचार-प्रसार करने के लिए प्रेरित किया गया । यह रैली क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर एक सशक्त संदेश देने में सफल रही।

पीएचसी बना शराबियों का अड्डा, परिसर में फैली गंदगी

संदीप विक्रम सिंह/बालजी दैनिक

हैदरगंज, अयोध्या। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगंज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। जगह- जगह परिसर में कूड़ो का अंबार लगा है। देर शाम होते ही शराबियों का अड्डा बन जाता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तारुन के अधीनस्थ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगंज मुख्य बाजार के हनुमानगढ़ी चौराहे पर स्थित है। इस परिसर में मौजूद इंडिया मार्का टू नल के पास शराब की बोतले और गंदगी का अंबार लगा है। जिससे अस्पताल आने वाले मरीज एवं तीमारदार पानी पीने से कतरा रहे हैं। यही नहीं चिकित्सालय परिसर में कई जगह कूढ़ो का ढेर इस कदर मौजूद है। जो संक्रमित बीमारियों को दावत दे रहा है। इस संबंध में चिकित्सालय पर मौजूद फार्मासिस्ट एजाज खान से पूछने पर उन्होंने बताया कि चिकित्सा अधिकारी डॉ अखिलेश तिवारी ने इन सारी समस्याओं की पत्राचार विभाग एवं स्थानीय थाने की पुलिस तथा ग्राम प्रधान से की है। लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

मानवाधिकारों के संरक्षण को लेकर प्रदेश कार्यालय इंडियन मानवाधिकार एसोसिएशन की मासिक बैठक, कार्यकर्ताओं को सौंपी गई नई जिम्मेदारियाँ

समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाना हमारा संकल्प - रामनरेश मौर्य

बालजी दैनिक संवाददाता

अयोध्या धामः इंडियन मानवाधिकार एसोसिएशन के तत्वावधान में प्रदेश कार्यालय पर मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाना, मानवाधिकारों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियाँ सौंपकर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना रहा। बैठक में कई कार्यकर्ताओं को उनके कार्य और समर्पण को देखते हुए नई-नई जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी रामनरेश मौर्य, जिला अध्यक्ष रोहिणी पांडे, शीला वर्मा, साधना विश्वकर्मा, जिला मीडिया प्रभारी परमिंदर कौर, सरोज यादव, नंदिनी शर्मा, परमजीत कौर, राजेश जायसवाल, सुमन दुबे, अनूप सिंह, सूर्य लाल, अनिल कुमार मौर्य, अजय यादव, राम सत्य मौर्य, देवकली मौर्य, उषा दुबे, अनुपम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राम मंदिर की अधूरी परियोजनाओं पर होगा मंथन

अयोध्या,20 जनवरी 2026 (यूएनएस)। श्री राम मंदिर परिसर में चल रही अधिकांश निर्माण परियोजनाएं अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। हालांकि बाउंड्री वॉल, प्रेक्षागृह, विश्राम गृह, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र कार्यालय और एकीकृत सचिवालय भवन जैसे कार्य अभी पूरे होने में समय लेंगे। ये सभी परियोजनाएं दूसरे चरण में शुरू की गई हैं, जिनके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दिसंबर 2026 तक का लक्ष्य तय किया है। इन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए भवन निर्माण समिति की तीन दिवसीय बैठक 23 जनवरी से शुरू होगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत हरदी विकास खण्ड मया जनपद अयोध्या

अल्प कालीन निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत हरदी विकास खण्ड मया जनपद अयोध्या में वर्ष 2025 - 26 में मनरेगा योजना / राज्य वित्त के अंतर्गत कराये जाने वाले कार्यो में ग्राम पंचायत हरदी में इंटर लॉकिंग निर्माण कार्य हेतु ईट, बालू, मोरंग, सीमेंट, इंटरलॉकिंग ईट, ईट गिट्टी, व आवश्यक समाग्री की आपूर्ति की जानी हैं त इच्छुक रजिस्टर्ड फर्म द्वारा दिनाँक 21 /01 /2026 से दिनांक 27 /01/ 2026 तक निविदा जमा की जा सकती हैं तथा निविदा दिनांक 27/01/2026 को 2 बजे खोली जायेगी. निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव का होगा.

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
ग्राम पंचायत हरदी मे अवधेश तिवारी के खेत से केशवराम के खेत तक इंटरलॉकिंग कार्य	6,43,901 रुपये

ग्राम प्रधान
रमेश कुमार वर्मा
हरदी, मया
अयोध्या

सचिव
रेनू वर्मा
हरदी, मया
अयोध्या

किन्नर अखाड़े ने आचार्य महामंडलेश्वर का हुआ तुला दान

बालजी दैनिक

प्रयागराजः सोमवार को माघ मेले में सनातनी किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी उनके शिष्यों द्वारा तुला दान किया गया। कौशल्या नंद की शिष्यों ने आज अपनी गुरु का तुला दान किया इस तुला दान का उद्देश्य अपने गुरु की रक्षा और समाज कल्याण के लिए किया गया। द्रव्य और अनाज सामग्री से इस तुला दान के कार्यक्रम को किया गया।

सनातनी किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी ने कहा कि आज यह तुला दान मेरे शिष्यों द्वारा किया गया और जिन चीजों से तुला दान किया उनको समाज में बांट दिया जाएगा। यह तुला दान समाज कल्याण के अदृश्य से किया गया है।हम अपने बच्चों को धन्यवाद देते है तथा आशीर्वाद देते है और साथ ही साथ गौ हत्या बंद हो समाज का कल्याण हो यही कामना करते है।

आई एन एस डी इन्टर नेशनल स्कूल ऑफ डिजाइनिंग का भव्य उदघाटन महापौर गणेश केशरवानी ने की

प्रयागराज : मंगलवार दिनांक 20 जनवरी 2026 को इन्टरनेशनल स्कूल ऑफ डिजाइनिंग का शुभारम्भ सिविल लाइन्स स्थित एक स्थानीय होटल में किया गया जिसका उद्घाटन समारोह बड़े धूम धाम से किया गया। मुख्य अतिथि विनोद कुमार ओझा और विशिष्ट अतिथि के रूप में उमेश चन्द्र गणेश केशवानी महापौर प्रयागराज रहे। सर्वप्रथम डॉ सुशील सिन्हा ने इनका स्वागत किया तत्पश्चात पूजा सिन्हा जो कि इंस्टीट्यूट की ऑनर है ने बुक्के देकर उनका स्वागत सम्मान किया साथ में रीतू सिन्हा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ सिन्हा ने बताया

कि पूजा सिन्हा ने यू. के. से अपनी पी एच डी पूरी की है। डॉक्टर सिन्हा ने बताया कि इस INSD इंस्टिट्यूट में कुल चार बैच चलेगे। इंटीरियर डिज़ाइन, फैशन डिज़ाइन, ग्राफिक डिज़ाइन और ज्वेलरी डिज़ाइन।

श्री हरि मंदिर हनुमान जी जयघोष से गुंजायमान हुआ

बरेली। श्री हरि मंदिर मॉडल टाऊन बरेली में आज 20 मंगलवार को भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी। सुबह के सत्र में मंदिर के पंडित सुनील शास्त्री के द्वारा श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन व श्रृंगार किया गया। भक्तजनों द्वारा मंगलवार को अपनी अपनी मनोकामना पूर्ति हेतु पधारते है और श्री हनुमान जी की पूजा करते है। शाम के सत्र में श्री हरि संकीर्तन श्री हरि संकीर्तन मंडल द्वारा भजनों की रसधारा बहाई गई जिस मे रवि छाबड़ा ने है दुःख भंजन मारुति नंदन.........,संजय आनन्द ने मंगल मूर्ति राम। दुलारे..........,पंकज नेआज मंगलवार है ....,सचिन सेठी ने कीजे केसरी के लाल ....और भाई सौरभ ने राम भी मिलेगे तुझे श्याम भी मिलेगे। उसके बाद सभी उपस्थित भक्तजनों द्वारा सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और श्री हनुमान जी की सामूहिक आरती हुई, व शयन आरती के पाश्चात्य सभी भक्तजनों में भंडारा प्रसादी का वितरण हुआ। मंदिर सचिव रवि छाबड़ा ने बताया कि सामूहिक श्री हनुमान चालीसा व आरती विगत कई वर्षों से श्री हरि मंदिर प्रांगण में हो रही है,जिस में सभी आयु वर्ग में लोग सम्मिलित होते है, विशेष कर युवाओं का जागरूक होना विशेष है। आज के कार्यकम में मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोरा,सचिव रवि छाबड़ा, अश्विनी ओबेरॉय,संजय आनन्द,गोविंद तनेजा,रंजन कुमार,हरीश लुनियाल, राजेश अरोरा,गिरीश आनन्द,वा अन्य सदस्य उपस्थित रहे। महिला मंडल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा भी अपनी टीम के साथ शामिल रही। युवा मंडल के सदस्यों ने प्रसाद वितरण की सेवा की।

हिंदू युवा वाहिनी का पुनर्गठन, सिद्धार्थ शंकर बाजपेयी बने सीतापुर के जिला अध्यक्ष

दैनिक बालजी/आशीष त्रिपाठी

सीतापुर : हिंदू युवा वाहिनी के शीर्ष नेतृत्व ने संगठन की सक्रियता और विस्तार को नई धार देते हुए जनपद सीतापुर की कमान सिद्धार्थ शंकर बाजपेयी को सौंपी है। उन्हें सीतापुर का नया जिला अध्यक्ष (अस्थायी) मनोनीत किया गया है।

2022 के बाद नए सिरे से पुनर्गठनः

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में हिंदू युवा वाहिनी के संपूर्ण संगठन को भंग कर दिया गया था। लंबे अंतराल के बाद अब संगठन का नए सिरे से पुनर्गठन किया जा रहा है। इसी क्रम में, प्रदेश प्रभारी (उत्तर प्रदेश) श्री ब्रजनंदन सिंह जी के निर्देशानुसार सीतापुर में सिद्धार्थ शंकर बाजपेयी

की नियुक्ति की गई है। इस घोषणा से जिले के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

शीर्ष नेतृत्व का मिला आशीर्वाद

सिद्धार्थ शंकर के मनोनयन पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विक्रम सिंह राठौड जी समेत पूज्य संरक्षकों– अध्यक्ष अखाड़ा परिषद महंत रवींद्र पुरी जी महाराज, स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज, एवं स्वामी अरुण गिरी जी महाराज ने अपना शुभाशीष प्रदान किया है।

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष का संकल्पः

अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए सिद्धार्थ शंकर बाजपेयी ने कहा '2022 में संगठन भंग होने के बाद अब पुनर्गठन की इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए मैं शीर्ष नेतृत्व का आभारी हूँ। मेरा प्राथमिक लक्ष्य जनपद में संगठन की मूल विचारधारा को पुनर्जीवित करना, हिंदू समाज को एकजुट व सशक्त बनाना और व्यापक स्तर पर सदस्यता अभियान चलाकर युवाओं को जोड़ना है।' संगठन के नियमानुसार, यह मनोनयन 14 फरवरी 2026 तक के कार्यों की समीक्षा के आधार पर स्थायी किया जाएगा। उनकी इस नियुक्ति पर स्थानीय हिंदू समाज और कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है।

समय से नहीं खुलता स्कूल, घंटों इंतजार करते नौनिहाल बच्चे

क्राइम ब्यूरो चीफ लेखराज

सीतापुर; विकास खंड बिसवां अंतर्गत ग्राम न्यादरपुर में शिक्षा व्यवस्था बदहाल है। यहां 4 टीचर तैनात है, लेकिन समय पर एक भी नहीं पहुंचता है मंगलवार को भी साढ़े दस बजे विद्यालय नहीं खुला था। यहां पर अध्ययनरत बच्चे उपस्थित होकर गुरु जी के आने का इंतजार कर रहे थे। ग्रामीणों ने बच्चों से पूछा गया आप सभी बाहर बैठे हो कोई अध्यापक नहीं आया तो उनका कहना था कि तो छुट्टी पर है। पता नहीं आज आएंगी कि नहीं। तब तक हम लोग बाहर बैठे रहते हैं। ग्रामीणों से जानकारी ली गई तो ग्रामीण निर्मल सिंह अजय मिश्रा देशराज सिंह मोहित भार्गव सोनू भार्गव सना भार्गव महेश गौतम का कहना है कि आए दिन विद्यालय कभी टाइम से नहीं खुलता है जबकि कमलेश मास्टर ग्राम पंचायत के ही तब भी टाइम पर नहीं पहुंचते हैं स्कूल टाइम बे टाइम खुलता है तो प्रधानाध्यापक कमलेश कुमार फोन पर बातें करते स्कूल प्रांगण के बाहर दिखते हैं नैनीताल बच्चों के साथ खिलवाड़ करते नजर आ रहे हैं प्रधानाध्यापक कमलेश कुमार यहां की शिक्षा पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हम लोगों के बच्चे तो समय पर पहुंच कर गुरुजनों का इंतजार आए दिन किया करते है। लेकिन शिक्षक-शिक्षिकाएं सरकार का हजारों रुपये लेने वाले थोड़ा भी पढ़ाना नहीं चाहते। ग्रामीणों का कहना है की सभी अध्यापकों को समय से पहुंचाना चाहिए वहां नहीं हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

अटरिया थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसाः ट्रैक्टर पलटने से किसान की मौत

अनूप पाण्डेय/बालजी दैनिक

अटरिया थाना क्षेत्र के कोड़रिया गांव में मंगलवार सायंकाल एक दर्दनाक हादसा हो गया। खेत से गन्ना लादकर जा रहे 50 वर्षीय किसान सरवन पुत्र नतथा, निवासी चंदौली मजरा कोड़रिया, का ट्रैक्टर तालाब के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रैक्टर के नीचे दबने से किसान की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी अटरिया ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। घटना से गांव में शोक की लहर है।

विचाराधीन बंदी की मृत्यु की जाँच के सम्बंध में साक्ष्य/बयान 30 जनवरी तक दें-जांच अधिकारी/विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट

बालजी दैनिक

प्रयागराजः सचिव/एडीजे, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज ने बताया है कि जांच अधिकारी/विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सूचित किया है कि विचाराधीन बंदी अशोक उर्फ दरोगा पुत्र अमरनाथ, उम्र लगभग 45 वर्ष, निवासी-काली महाल चतुर्भज पुर थाना-मुगलसराय, जिला-चन्दौली, उ0प्र0 की दिनांक 24 अप्रैल 2023 को रात्रि 08.47 बजे स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज में हुई मृत्यु की जाँच सं0-01/2023 की पत्रावली विचारण हेतु लम्बित है, जिसके सम्बन्ध में यदि कोई भी बयान देना चाहता है तो वह जांच न्यायालय/न्यायालय विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रयागराज में किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर अपना साक्ष्य/बयान दिनांक 30 जनवरी 2026 से पूर्व तक दे सकता है।

'गंगा मैया धीरे बही', 'अवध नगरिया से चलली बरियतिया पर झूमे श्रोता

प्रयागराजः उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित शिल्प मेला के अंतर्गत मंगलवार की सांस्कृतिक संध्या भक्ति और लोकरस से ओत-प्रोत रही। कलाकारों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को देर तक बाँधे रखा। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत भजन गायक सूर्य प्रकाश दुबे की भावपूर्ण प्रस्तुति से हुई। उन्होंने 'को कहीं सखनी प्रयाग प्रभाऊ कलुष पुंज पंजर मृग राहु', 'प्रयाग नगरी बसे संगम के तीरे', 'पावन तीरथ प्रयागराज में पुण्य कमाते हैं', 'जहां त्रिवेणी संगम है घूम के आते हैं' तथा 'मीरा आपकी कृपा से' जैसे भजनों की सशक्त प्रस्तुति देकर श्रोताओं से खूब तालियाँ बटोरीं। इसके पश्चात लोकगायिका नीलम शर्मा ने अपनी मधुर आवाज़ में 'मोरी नैया में लक्ष्मण राम', 'गंगा मैया धीरे बही', 'अवध नगरिया से चलली बरियतिया हे सुहावन लागे' और 'त्रिभुवन विदित अवध जैकर नउआ' जैसे लोकगीत प्रस्तुत कर दर्शकों को लोकसंगीत की मिठास से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के अगले चरण में जवाबी बिरहा की आकर्षक प्रस्तुति हुई, जिसमें विनोद कुमार पटेल, छेदी लाल, कुंवर बहादुर यादव और लवकुश कनौजिया ने अपने सधे हुए अंदाज़ में बिरहा गायन कर श्रोताओं की भरपूर प्रशंसा अर्जित की।

भाजपा के नेता हरिशरण लाला ने समर्थकों के साथ पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया

दैनिक बालजी/एम एम मालवीय

सफीपुर : उन्नाव उत्तर प्रदेश ग्राम्य विकास बैंक की तहसील शाखा सफीपुर के प्रतिनिधि पद हेतु होने वाले चुनाव को लेकर विकास खंड परिसर में नामांकन प्रक्रिया जारी रही। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता हरिशरण लाला ने समर्थकों के साथ पहुंचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष अनुराग अवस्थी एवं क्षेत्रीय विधायक बंबा लाल दिवाकर विशेष रूप से मौजूद रहे। विधायक बंबा लाल दिवाकर ने कहा कि उत्तर प्रदेश ग्राम्य विकास बैंक प्रतिनिधि चुनाव के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने पुराने व निष्ठावान कार्यकर्ता हरिशरण लाला पर भरोसा जताते हुए उन्हें अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है। उन्होंने बताया कि हरिशरण लाला लंबे समय से संगठन के लिए

समर्पित भाव से कार्य करते आ रहे हैं और क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ है। भाजपा को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में बैंक से जुड़े खाताधारकों और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के हितों की बेहतर तरीके से रक्षा होगी।विधायक ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि विपक्ष की ओर से कोई अन्य प्रत्याशी नामांकन करता है तो चुनाव प्रक्रिया नियमानुसार संपन्न कराई जाएगी। वहीं यदि निर्विरोध स्थिति बनती है तो नियमानुसार परिणाम घोषित किया जाएगा। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख रमेश रावत ,पूर्व ब्लाक प्रमुख अशोक सिंह,अभिषेक गौड़ 'लाले' ,भाजपा नेता सुभाष सिंह ,ज्ञानेंद्र शुक्ला,राजू चौहान,दीपक विमल,नीरज कुशवाहा,अनूप सिंह चंदेल,कुलदीप तिवारी,गोलू दीक्षित,अतुल अग्निहोत्री,सर्वेश राजपूत आदि मौजूद रहे ।

अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत को भी विश्वविद्यालय शैक्षिक उन्नयन में करें शामिलः कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल

नैक मूल्यांकन टीम की गतिविधि को प्रतिदिन स्वयं परखेंगे कुलपति

बालजी दैनिक

अयोध्याः डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय द्वारा नैक मूल्यांकन की तैयारी की समीक्षा बैठक में राजभवन के सभागार कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व विश्वविद्यालय द्वारा गठित नैक मूल्यांकन टीम ने कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के समक्ष प्रेजेंटेशन दिया। एट्रीब्यूट एक से लेकर एट्रीब्यूट ग्यारह तक के महत्वपूर्ण बिन्दुओं कुछ आवश्यक सुधार के निर्देश देते हुए कुलाधिपति ने कहा कि नैक प्रस्तुति में उन्नत भारत अभियान और वेब आफ साइंस में विश्वविद्यालय पंजीयन कराए और साथ ही अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत को भी शैक्षिक करिकुलम में शामिल करें। विश्वविद्यालय की तैयारी पर संतोष व्यक्त करते हुए कुलाधिपति ने कहा कि गठित नैक मूल्यांकन की टीम ने काफी कुछ डेटा अपडेट कर लिया है। श्रेष्ठ प्रदर्शन एवं अच्छे ग्रेड के लिए अभी इसमें कुछ और महत्वपूर्ण सुधार की आवश्यकता हैं जिन्हें शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। नैक मूल्यांकन की तैयारी को गति देने के लिए कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय को नैक उच्च ग्रेड में ले जाने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन स्वयं सायं 3:00 बजे से शिक्षकों के साथ बैठक कर नैक मूल्यांकन की गतिविधियों को परखेंगे और अपूर्ण मानकों को अपनी देखरेख में संपन्न कराएंगे। राजभवन की इस बैठक में विशेष अपर सचिव राज्यपाल डॉ. पंकज एल जानी, सुधीर एम. बोबडे, कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. आशुतोष सिन्हा प्रो. एस एस मिश्र, प्रो सी के मिश्र, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. अनूप कुमार, प्रो सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो फर्रुख जमाल प्रो. गंगाराम मिश्र,प्रो. शैलेंद्र कुमार, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. सुरेन्द्र मिश्र, प्रो. विनोद कुमार चौधरी, डॉ पी के द्विवेदी सहित अन्य उपस्थित रहे।

दो लाख रिश्वत मांगने के आरोप में ईओ के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

दो लाख की रिश्वत

बरेली। फतेहगंज पश्चिमी में बिना नोटिस दिए दुकान तोड़ने का विरोध करने के दौरान हुए विवाद में औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता ''नंदी'' ने अपर मुख्य सचिव (गृह) को निर्देश दिए हैं कि अधिशासी अधिकारी पुष्पेंद्र राठौर के विरुद्ध व्यापारी राहुल गुप्ता की दुकान नोटिस दिये बगैर तोड़े जाने के विरुद्ध नियमानुसार एफआईआर दर्ज कराते हुए प्रकरण की जांच कराकर कठोर कार्रवाई करें।

अपर मुख्य सचिव गृह को लिखे पत्र में मंत्री नंदी ने कहा है कि नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिामी के अधिशासी अधिकारी पुष्पेंद्र राठौर ने पद का दुरुपयोग करके व्यापारी राहुल गुप्ता की दुकान 2 लाख की रिश्वत न देने पर बिना नोटिस अतिक्रमण के नाम पर जेसीबी से तोड़ दी। प्रांतीय उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने जब व्यवसायी राहुल की दुकान तोड़ने के बारे में जानकारी मांगी तो अधिशासी अधिकारी ने उल्टा आशीष के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया। पीड़ित ने स्वयं पर झूठा मुकदमा निरस्त कराने एवं व्यवसायी राहुल गुप्ता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कराते हुए दोषी के विरुद्ध कार्रवाई का अनुरोध किया है। तथ्यों के दृष्टिगत नियमानुसार अधिशासी अधिकारी के विरुद्ध राहुल गुप्ता की दुकान नोटिस दिये बगैर तोड़े जाने के मामले में एफआईआर दर्ज कराएं।

लंबे इंतजार के बाद अब जल्द शुरू होगा सिटी स्टेशन रोड का निर्माण

बरेली। लंबे इंतजार के बाद सिटी स्टेशन रोड का निर्माण शुरू होने जा रहा है नगर निगम से लगभग पांच करोड़ रुपए की धनराशि मिलने के बाद लोक निर्माण विभाग ने टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर ली है। जल्द ही 1200 मीटर के सीसी रोड का निर्माण शुरू हो जाएगा। सिटी रेलवे स्टेशन के सामने चौपुला पुल से किला पुल तक जलभराव के चलते सड़क बार-बार क्षतिग्रस्त हो जाती है। पिछले वर्ष सितंबर में पीडब्ल्यूडी ने स्थाई समाधान ढूंढते हुए डामर की जगह सीसी रोड बनाने का फैसला किया था। 1200 मीटर सड़क के निर्माण के लिए नगर निगम को करीब पांच करोड़ रुपये देने थे।

बजट मिलने की संभावना को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने टेंडर निकाल दिया था। हालांकि बजट न मिलने के कारण टेंडर को निरस्त करना पड़ा था। अब बजट मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जल्द ही इसका निर्माण शुरू हो जाएगा। जल भराव की समस्या से निपटने के लिए सड़क की मोटाई करीब 30 इंच रखी जाएगी। इसकी चौड़ाई 8 मीटर निर्धारित की गई है। एक्सईएन भगत सिंह ने बताया कि चयनित फर्म सिटी स्टेशन की तरफ वाली 1200मीटर सड़क को बनाएगी। जल भराव को ध्यान में रखते हुए जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाएगी।

राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज : पैथोलॉजी विभाग, मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज प्रयागराज द्वारा टाटा कैंसर संस्थान मुंबई के सहयोग से तीन दिवसीय राष्ट्रीय

संगोष्ठी सह प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है ।इस शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक कार्यक्रम में देश के विभिन्न भागों से आमंत्रित वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ, पैथोलॉजिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट, फिजीशियन, सर्जन तथा प्रयोगशालाओं में कार्यरत तकनीकी विशेषज्ञ प्रतिभाग करेंगें।संगोष्ठी का पहला दिन

'क्लिनिकल-पैथोलॉजी मीटिंग व ट्यूमर बोर्ड'को समर्पित रहेगा, जिसमें टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल (मुंबई,दिल्ली,वाराणसी), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान दिल्ली व पटना तथा अन्य प्रसिद्ध संस्थानों से आए हुए वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ और वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट अपने अनुभव साझा करेंगे।दूसरे दिन 'लाइव माइक्रोस्कोपी कार्यशाला' का आयोजन होगा, जिसमें टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल,एम्स, बीएचयू तथा पीजीआई से आये वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट कठिन कैंसर रोगों से संबंधित स्लाइड पर चर्चा करेंगे।

बच्चे की आंत में थी समस्या, झोलाछाप डॉक्टर ने अंडकोष का कर दिया ऑपरेशन

बरेली । बारादरी क्षेत्र में क्लीनिक खोलकर बैठे झोलाछाप ने आंत की बीमारी से जूझ रहे बच्चे के अंडकोष का ऑपरेशन कर डाला। अधिक खून बहने के कारण बच्चे की हालत बिगड़ गई। पीड़ित बच्चे को परिजन पीजीआई लखनऊ लेकर गए तो झोलाछाप की करतूत का पता चला। बच्चे के पिता ने बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

डोहरा गौटिया निवासी शिशुपाल के पुत्र अजय के पेट में समस्या थी। शिशुपाल ने अजय को बारादरी क्षेत्र सनराईज कॉलोनी के पास स्थित पृथ्वी फार्मा क्लीनिक पर दिखाया। वहां झोलाछाप जयवीर ने बताया कि अजय के निजी अंग में समस्या है, जिसे चीरा लगाकर ठीक कर दूंगा। जयवीर ने बताया कि ऐसे ऑपरेशन कर कई मरीजों को ठीक कर चुका है।

आरोपी ने 20 हजार रुपये वसूले

शिशुपाल के मुताबिक जयवीर ने ऑपरेशन करने के लिए 20 हजार रुपये छह दिसंबर को जमा करा लिए। जयवीर ने अजय को कमरे ले जाकर ऑपरेशन कर दिया। इसके बाद 25 दिन में तीन बार टांके बदले और रोज पट्टी भी की। पट्टी के 500 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से वसूले। अजय के लगातार रक्तश्राव होता रहा जिसके कारण उसकी हालत बिगड़ गई।

पीजीआई में भर्ती से किया इनकार

शिशुपाल अपने पुत्र अजय को लखनऊ पीजीआई लेकर गए तो वहां डाक्टरों ने बताया कि अजय की आंत में समस्या है जबकि उसके अंडकोष का गलत ऑपरेशन कर दिया गया है। पीजीआई में अजय को भर्ती करने से मना कर दिया। बाद में पता चला कि जयवीर झोलाछाप है उसके पास कोई डिग्री नहीं है। जयवीर से शिकायत की तो आरोपी ने फर्जी मुकदमे में जेल भिजवाने की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित ने बारादरी थाने में तहरीर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

निजता सुरक्षा में 100% सफल, एक साल में 5 लाख से अधिक आवेदनों ने रचा इतिहास

बालजी दैनिक

देहरादून। उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता (UCC) के तहत बीते एक साल में विभिन्न सेवाओं के लिए कुल पांच लाख से अधिक आवेदन हुए हैं, लेकिन एक भी मामले में निजता उल्लंघन की शिकायत नहीं आई है। इस तरह उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता नागरिकों की निजी जानकारियां सुरक्षित रखने के अपने संकल्प पर शत प्रतिशत खरा उतरी है। यही नहीं, ऑनलाइन आवेदन में पूरी प्रक्रिया फेसलेस होने से किसी की भी पहचान सार्वजनिक होने का खतरा नहीं है।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि समान नागरिक संहिता को लेकर कुछ लोगों ने शुरुआत में नकारात्मक माहौल बनाने का प्रयास किया। विगत एक साल में यूसीसी क्रियान्वयन ने ऐसे सभी लोगों को जवाब दे दिया है। समान नागरिक संहिता नागरिकों की निजता का शत प्रतिशत पालन करने में सफल रही है। साथ ही पूरे प्रदेश में जितनी सरलता से इस प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है, वो अपने आप में गुड गर्वनेंस का उदाहरण है। उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद इससे संबंधित लगभग शत प्रतिशत आवेदन यूसीसी पोर्टल के जरिए हो रहे हैं। इसमें आवेदक घर बैठे ही किसी भी सेवा के लिए आवेदन कर सकता है। इस तरह उन्हें किसी भी सरकारी कार्यालय या अधिकारी के सामने उपस्थित होने की जरूरत नहीं है। इसके साथ ही पोर्टल में नागरिकों की निजी जानकारी को सुरक्षित और गोपनीय रखने के लिए मजबूत सुरक्षा प्रावधान किए गए हैं । ये व्यवस्था सुनिश्चित की गई है कि ऑनलाइन आवेदन यदि एक बार सक्षम स्तर के अधिकारी स्तर से मंजूर हो गया तो फिर, संबंधित अधिकारी भी आवेदक की निजी जानकारी नहीं देख पाता है। आवेदन के साथ प्रस्तुत की गई निजी जानकारी तक सिर्फ आवेदक की ही पहुंच है, जो जरूरी वैरिफिकेशन प्रक्रिया के जरिए इसे देख सकता है। यही कारण है कि बीते एक साल में निजता उल्लंघन की एक भी शिकायत नहीं आई है, जबकि अब लोग विवाह पंजीकरण के साथ ही विवाह विच्छेद, वसीयत पंजीकरण, लिव इन पंजीकरण से लेकर लिव इन रिश्ते समाप्त करने तक के लिए यूसीसी प्रावधानों का प्रयोग कर रहे हैं। दूसरी तरफ औसत पांच दिन में प्रमाणपत्र मिलने से लोगों का समय भी बच रहा है।

पंचतत्व में विलीन हुए हवलदार गजेंद्र सिंह

बागेश्वरः उत्तराखंड का लाल बागेश्वर निवासी हवलदार 43 वर्षीय गजेंद्र सिंह गढ़िया सोमवार 19 जनवरी को जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में आंतकियों से लोहा लेते हुए सर्वोच्च बलिदान देते हुए शहीद हो गए थे. आज मंगलवार को शहीद का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव बागेश्वर जिले के गैंनाड़ लाया गया. जहां पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया.

20 जनवरी मंगवार को दोपहर बाद शहीद का पार्थिव शरीर सेना के हेलीकॉप्टर से केदारेश्वर मैदान स्थित हेलीपैड पर लाया गया.

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन से भेंट कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सेवा, समपर्ण और उत्कृष्टता का सम्मान, यूसीसी दिवस पर अनेक होंगे सम्मानित

यूसीसी दिवस की तैयारियों को लेकर सीडीओ ने ली वर्चुअल समीक्षा बैठक, नोडल अधिकारियों को दिए निर्देश

बालजी दैनिक

देहरादून : उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हुए एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 27 जनवरी 2026 को 'समान नागरिक संहिता दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर संस्कृति विभाग के प्रेक्षागृह (ऑडिटोरियम), नीबूंवाला, देहरादून में एक भव्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी प्रतिभाग करेंगे।

यूसीसी दिवस की तैयारियों को लेकर मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव शाह ने वर्चुअल माध्यम से विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध, सुव्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण ढंग से सुनिश्चित की जाएं।

कार्यक्रम के दौरान राज्य स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही कार्यक्रम को अधिक रोचक एवं सहभागितापूर्ण बनाने के उद्देश्य से ऑन-द-स्पॉट क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा को निर्देश दिए कि विभिन्न विश्वविद्यालयों में विधि (कानून) की पढ़ाई कर रहे छात्रों की कार्यक्रम में सहभागिता सुनिश्चित की जाए। वहीं शिक्षा अधिकारी को यूसीसी दिवस के परिप्रेक्ष्य में विद्यालयों में निबंध, वाद-विवाद एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित कराने तथा विजेता विद्यार्थियों को कार्यक्रम स्थल तक लाने-ले जाने की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में बार काउंसिलिंग एवं स्थानीय बार एसोसिएशन के प्रमुख पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग को मंच, हॉल, साउंड सिस्टम, एलईडी स्क्रीन एवं टेंटेज की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक को सुरक्षा, यातायात एवं वाहन पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ रखने को कहा गया है। वहीं परियोजना निदेशक को आमंत्रित अतिथियों को समय से निमंत्रण पत्र वितरित करने के निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सूक्ष्म जलपान, पेयजल, विद्युत, परिवहन एवं स्वास्थ्य सेवाओं सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए संबंधित नोडल अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। समान नागरिक संहिता दिवस का यह राज्य स्तरीय आयोजन उत्तराखंड की ऐतिहासिक पहल को जन-जन तक पहुंचाने एवं सामाजिक समरसता के संदेश को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

'क्वालिटी और टाइमलाइन' पर जोर, लापरवाह अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

देहरादून। मुख्य सचिव श्री आनन्द बर्द्धन ने आज सचिवालय में पूंजीगत व्यय, CSS, EAP, NABARD, SASCI, SNA स्पर्श एवं विभागों की व्यय योजनाओं के सम्बन्ध में बैठक ली। उन्होंने पूंजीगत व्यय, CSS, EAP Skeb NABARD पोषित योजनाओं के प्रस्तावों को समय पर भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्स्लैसहू दावा भी समय पर किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि अच्छा कार्य कर रहे विभागों को और इल्ह् उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

मुख्य सचिव ने सभी परियोजनाओं को समय से पूर्ण किए जाने हेतु ऊग्स थ्हा निर्धारित करते हुए मॉनिटरिंग किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने वित्त एवं नियोजन विभाग को कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने हेतु Independent Third Party Evaluation के लिए मजबूत शर्म्हिग्स तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी तय करते हुए जिम्मेदार के ऊपर एक्शन लिए जाना भी सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि जिन प्रोजेक्ट्स में Third Party Evaluation का प्राविधान नहीं है, उनमें तत्काल प्रावधान किया जाए।

उन्होंने सिंचाई विभाग को प्रदेश की कुल 15 प्रतिशत सिंचित भूमि को अगले 5 साल में दोगुना करते हुए 30 प्रतिशत किए जाने का लक्ष्य दिया। उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग द्वारा नए बैराज, नहरें आदि पर काम किया जा सकता है। उन्होंने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लगाए गए स्प्रिंकलर सिस्टम को प्रदेशभर में शुरू किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने लघु सिंचाई को भी अच्छे एवं गुणवत्तापूर्ण प्रस्ताव तैयार किए जाने की बात कही।

मुख्य सचिव ने जल संस्थान और जल निगम को पेयजल योजनाओं को भी जीरो कार्बन उत्सर्जन की ओर ले जाने की दिशा में कार्य करते हुए सोलर प्लांट को बैटरी से जोड़े जाने पर जोर दिया। उन्होंने ण्र्त्र्सैू र्ण्हु इल्ह् को भी इसके लिए प्रयोग किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा को किस प्रकार से अपने प्रोजेक्ट्स में ऊर्जा स्रोत के रूप में प्रयोग करें, इस दिशा में प्रस्ताव तैयार किए जाएं। उन्होंने पेयजल विभाग को उनके सभी STP Plants की 24x7 Real Time Monitorin का Mechanism तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने जल संस्थान को 31 मार्च तक देहरादून की सभी सरकारी कॉलोनियों में शत प्रतिशत वाटर मीटर लगाने का लक्ष्य दिया। उन्होंने प्रदेश में सभी नगर निगमों में भी शत प्रतिशत वाटर मीटर लगाने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि इससे पानी की बर्बादी पर रोक लगेगी। उन्होंने जल संस्थान को पानी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अपने सिस्टम को मजबूत किए जाने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि दूषित पानी की शिकायत पर सम्बन्धित अधिकारी पर कार्रवाई किया जाना भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सौंग बांध परियोजना के अन्तर्गत पेयजल घटक के अन्तर्गत DPR एक सप्ताह में शासन को उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने STP से निकले Treated Water को Non-Drinking उद्देश्यों के लिए प्रयोग किए जाने पर बल दिया।

मुख्य सचिव ने शहरी विकास विभाग को देहरादून सहित प्रदेश के अन्य बड़े शहरों में बड़े पार्क तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टिहरी को घ्ूीर्हूदर्हेत अे-ूर्हैगदह के रूप मे विकसित करने के लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने टिहरी झील रिंग रोड परियोजना को भी शीघ्र शुरू किए जाने की बात कही। साथ ही, उन्होंने पर्यटन विभाग टिहरी, ऋषिकेश एवं चम्पावत में पर्यटन क्षेत्र विकसित करने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने वन विभाग को City Greening और Express Way के प्रस्ताव के साथ हीँ ग्द-इाहम्हु का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए कहा। उन्होंने घ्ळ विभाग को साइंस सिटी एंड विज्ञान केंद्रों की स्थापना के साथ ही इनके संचालन और शहूदिग्हु की व्यवस्था हेतु मैकेनिज्म तैयार किए जाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री आर.के. सुधांशु, श्री आर. मीनाक्षी सुन्दरम, PCCF श्री कपिल लाल, सचिव श्री नितेश कुमार झा, श्री सचिन कुर्वे, श्री दिलीप जावलकर, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ. वी. षणमुगम, डॉ. आर. राजेश कुमार, श्री युगल किशोर पंत, श्री रणवीर सिंह चौहान, अपर सचिव श्री हिमांशु खुराना, श्रीमती अपूर्वा पाण्डेय एवं श्री मनमोहन मैनाली सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री धामी की डिजिटल पहल, ई-गवर्नेंस से सरकारी सेवाएं अब सरल, पारदर्शी और त्वरित

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने शासन-प्रशासन की कार्य प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सरल और जनहित केंद्रित बनाने के लिए ई-गवर्नेंस को सशक्त आधार के रूप में विकसित किया है। इस प्रणाली के माध्यम से न केवल जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो रहा है, बल्कि सरकारी कार्यों में पारदर्शिता भी बढ़ रही है। राजधानी देहरादून में शुरू विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं और जनहित पोर्टलों के जरिए आम नागरिक अब घर बैठे आवेदन, शिकायतें और सुझाव दर्ज करा रहे हैं। डिजिटल तकनीक के प्रयोग से नागरिकों को सरकारी सेवाओं तक सीधी पहुंच और समय एवं संसाधनों की बचत सुनिश्चित हो रही है।

ई-गवर्नेंस के तहत ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली, जनसुनवाई पोर्टल, डिजिटल प्रमाण पत्र सेवाएं, ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल, आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल, रोजगार प्रयाग पोर्टल, भूदेव ऐप और विभागीय एप्स जैसे सीएम हेल्पलाइन 1905, ई-ट्रांसपोर्ट और अपणी सरकार पोर्टल की सेवाएं नागरिकों के लिए उपलब्ध हैं। इससे कार्यालयों के चक्कर कम हुए हैं और भ्रष्टाचार पर रोक लगी है। वृद्धावस्था पेंशन के लिए ई-सेवा का लाभ उठाने वाले देवेंद्र सिंह के मामले में उनकी पुत्री सोनिया रावत ने बताया कि आय प्रमाण पत्र 15 दिनों के भीतर ऑनलाइन प्राप्त हो गया, जिससे उन्हें सरकारी कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ा। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने बताया कि प्रशासन भी डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है और अब अधिक से अधिक प्रमाणपत्र तथा जन कल्याणकारी योजना के आवेदन ऑनलाइन उपलब्ध कराए गए हैं। जिला योजना के तहत कृषि संबंधी सभी योजनाओं की पहली फेज की एप्लीकेशन भी ऑनलाइन कर दी गई है।

ई-गवर्नेंस प्रणाली न केवल शहरी बल्कि ग्रामीण नागरिकों के लिए भी प्रभावी साबित हो रही है, जिससे सरकारी सेवाओं की जवाबदेही और समय पर निस्तारण सुनिश्चित हो रहा है।

गृह मंत्री शाह का उत्तराखंड दौरा, छावनी में तब्दील हुआ हरिद्वार-ऋषिकेश, ट्रैफिक भी किया गया डायवर्ट

हरिद्वारः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर आ रहे हैं. गृह मंत्री शाह के दौरे के दौरान कोई चूक न हो इसके लिए अधिकारी कसरत में जुट गए हैं. गृह मंत्री 21 और 22 जनवरी को उत्तराखंड के ऋषिकेश और हरिद्वार में रहेंगे, जिसके लिए आज हरिद्वार के रोशनाबाद स्थित पुलिस लाइन में पुलिस फोर्स की ब्रीफिंग की गई. अधिकारियों ने वीवीआइपी ड्यूटी में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को मुस्तैदी और सावधानी से ड्यूटी करने के निर्देश दिए. अधिकारियों ने जानकारी दी की विभिन्न जिलों से आए 700 से ज्यादा पुलिसकर्मी सुरक्षा में तैनात किए जा रहे हैं.

वीवीआइपी कार्यक्रम को लेकर पुलिस प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं. आज आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने गीता भवन के हॉल में वीवीआईपी ड्यूटी करने वाले पुलिस कर्मियों को ब्रीफ किया. निर्देश दिए कि कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी. मोबाइल का प्रयोग नहीं करने और समय से ड्यूटी पॉइंट संभालने की हिदायत भी दी. साफ कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का कार्यक्रम सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराना पुलिस के लिए चुनौती है. आईजी ने बताया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 21 जनवरी की शाम तीन बजे जानकी पुल के निकट हेलीपैड पर एमआई-17 हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे. यहां से वह कड़ी सुरक्षा के बीच कार्यक्रम स्थल पर आएंगे. करीब 3 घंटे तक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वह सड़क मार्ग से हरिद्वार के शांतिकुंज पहुंचेंगे. दोपहर 12 बजे से पूरा क्षेत्र जीरो जोन रहेगा.

इस दौरान जानकी झूला पर आवागमन पूर्ण तरीके से प्रतिबंध रहेगा. गृहमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था प्रबंध कर ली गई है. चप्पे चप्पे पर पुलिस तैनात रहेगी. सीसीटीवी कैमरों से भी क्षेत्र की कड़ी निगरानी होगी।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा नोटिस

निम्नलिखित कार्य के लिए उप. मुख्य विद्युत अभियंता, निर्माण, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निविदा संख्या 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 IREPS की वेबसाइट यानी https://www.ireps.gov.in पर समापन तिथि 12.02.2026 समय (11.30Hrs.) एक पैकेट प्रणाली के तहत 'ई–टेंडर' आमंत्रित किया जाता है।

NIT संख्या: 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 दिनांक 19.01.2026
निविदा संख्या: 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26
कार्य का नाम : उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अंतर्गत अचलगंज हाल्ट को क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तित करने तथा लखनऊ (चारबाग वर्कशॉप) में वंदे भारत (16 कोच) के लिए पिट लाइन परीक्षण हेतु शेड क्षमता का सृजन तथा उत्तरेठिया स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन के प्रावधान के सम्बंध मे 25 केवी, 50 हर्ट्ज एकल फेज एसी ओएचई का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना (एरेक्शन), परीक्षण एवं कमीशनिंग
निविदा प्रपत्र लागत: कुछ नहीं।
लगभग निविदा मूल्य: रु.5,99,54,219.19 (रुपये पाँच करोड़ निन्यानवे लाख चौवन हजार दौ सौ उन्नीस रुपये और उन्नीस पैसे मात्र)
बोली सुरक्षा: रु.4,49,800/-
समापन की अवधि: 18 माह
ऑफर की वैधता: 60 दिन
IREPS वेबसाइट पर विज्ञापित निविदा दिनांक: 19.01.2026
जिस तिथि तक ठेकेदार अद्यतन/परिशिष्ट/संशोधित तिथि नोट कर सकता है: 29.01.2026
निविदा प्रस्तुत करने की समाप्ति तिथि और समय: 12.02.2026 (11.30Hrs.)
पात्रता मापदंड: निविदा दस्तावेज के अनुसार।

ध्यान दें: (i) ठेकेदार को प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय IREPS वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किए जाने वाले निविदा दस्तावेज के अनुसार आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। **(ii)** सभी प्रतिभागी ठेकेदार अपने निविदा प्रस्ताव के साथ अपने आवश्यक दस्तावेज जमा करेंगे। "अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने के लिए कोई भी पोस्ट टेंडर पत्राचार तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्ताव खोलने के बाद विचार नहीं किया जाएगा। **यहां तक कि निविदाओं के सू–मोटो पोस्ट टेंडर पत्रों को अशक्त और शून्य माना जाएगा।"**

टेंडर नोटिस www.ireps.gov.in की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

No. 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 दिनांक: 19.01.2026 **199/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आपदा से निपटने की तैयारी को सुदृढ़ करने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

देहरादूनः शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में तथा जिलाधिकारी देहरादून एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) द्वारा समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों के क्रम में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), देहरादून के तत्वावधान में मंगलवार, 20 जनवरी को सोशल बलूनी स्कूल, नियर कारगी चौक, देहरादून में एक दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं अध्यापकगण सहित कुल 820 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालय स्तर पर आपदा जोखिम न्यूनीकरण को सुदृढ़ करना तथा आपात परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया क्षमता का विकास करना रहा।

प्रशिक्षण के दौरान जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, देहरादून के मास्टर ट्रेनर राजू शाही, सुशील कैंतुरा एवं मोहित सिंह द्वारा प्रतिभागियों को भूकंप, बाढ़, भूस्खलन, युद्ध, आतंकवाद एवं अन्य संभावित आपदाओं के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही प्राथमिक उपचार, आपातकालीन दूरभाष नंबरों, भूदेव ऐप, सचेत ऐप, सेटेलाइट फोन के उपयोग तथा आपदा प्रबंधन में प्रयुक्त विभिन्न उपकरणों की कार्यप्रणाली के संबंध में सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य पंकज नौटियाल, समन्वयक शैलेंद्र नेगी, जूनियर समन्वयक सुश्री अंजलि एवं एल.एम. भट्ट (हेड ऑफ द डिपार्टमेंट, फिजिकल एजुकेशन) द्वारा विद्यालयों में इस प्रकार के आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। साथ ही कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विद्यालय प्रशासन की ओर से जिलाधिकारी देहरादून एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया गया। विद्यालय प्रशासन द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों में आपदाओं के प्रति सजगता, आत्मरक्षा एवं आपात स्थिति से निपटने की क्षमता का उल्लेखनीय विकास हुआ है।

फिरोजाबाद में दिव्यांग सम्मान समारोह का आयोजन, सैकड़ों दिव्यांग हुए सम्मानित

रवि वशिष्ठ/बालजी दैनिक

फिरोजाबाद : आज धर्म यात्रा महासंघ एवं विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में दिव्यांग सम्मान समारोह का आयोजन कांता होटल में किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रांत मंत्री पंडित वीनेश शर्मा एवं महानगर अध्यक्ष श्री ओम शर्मा ने किया। समारोह में महान संत मौज गिरी महाराज जी ने मंच की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष दिलीप प्रजापति एवं मंत्री दिनेश राठौर ने की, जबकि संचालन डॉ. पीयूष शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक अखिलेश जी एवं संघ प्रचारक दिलीप भाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सुनील शर्मा, सत्यवीर गुप्ता, अशोक शुक्ला, सतीश चंद्र शास्त्री, कौशल किशोर उपाध्याय सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर शहर के सैकड़ों दिव्यांगों को टीका लगाकर, पटका पहनाकर, कंबल वितरित कर पुष्प वर्षा के साथ सम्मानित किया गया। दिव्यांगों ने आयोजन के लिए आयोजकों का आभार जताया।

किसान आयोग के गठन की मांग को लेकर भाकियू भानू की किसान क्रांति यात्रा, जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन

बृजेश कश्यप/बालजी दैनिक

फिरोजाबाद : भारतीय किसान यूनियन भानू एवं किसान क्रांति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह के नेतृत्व में किसानों ने किसान आयोग के गठन की मांग को लेकर किसान क्रांति यात्रा निकाली। यह यात्रा टूंडला से शुरू होकर सिक्स लाइन हाईवे, राजा का ताल, नगला भाऊ, जैन मंदिर और सदर बाजार होते हुए जिला मुख्यालय पहुंची। यात्रा के दौरान सैकड़ों किसान गाड़ियों के काफिले के साथ शामिल रहे और जगह-जगह राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया गया। जिला मुख्यालय पहुंचकर किसानों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन में किसान आयोग के गठन, दुर्घटना में किसानों की मौत पर एक करोड़, पुलिस लापरवाही से मौत पर दो करोड़ तथा मीडिया कर्मियों की शहादत पर चार करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग की गई।

गुरु गोविंद सिंह जी के 359वें प्रकाश पर्व पर भव्य नगर कीर्तन

चंचल गोयल/बालजी दैनिक

फिरोजाबाद में दशमेश पिता श्री गुरु गोविंद सिंह जी के 359वें प्रकाश पर्व के अवसर पर विशाल नगर कीर्तन एवं झांकी का आयोजन श्रद्धा और धूमधाम के साथ किया गया। नगर कीर्तन की शुरुआत ऐसन रोड से हुई, जो बस स्टैंड, आर्य नगर और जलेसर रोड सेंटर चौराहे से होते हुए गुरुद्वारा साहिब तक पहुंची।

श्री प्रकाश सिंह जोगिंदर जी ने बताया कि नगर कीर्तन का शुभारंभ माननीय विधायक के निर्देशन में हरी झंडी दिखाकर किया गया। नगर कीर्तन दोपहर 1 बजे प्रारंभ हुआ और शाम 7 बजे समापन हुआ। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर नगर कीर्तन का स्वागत किया।

इस अवसर पर इटावा, एटा सहित आसपास के जनपदों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। गुरुवाणी कीर्तन, ढोल-नगाड़ों और आकर्षक झांकियों से पूरा शहर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। आयोजन को लेकर सिख समाज में विशेष उत्साह और उल्लास देखने को मिला।

नवनिर्मित आदर्श थाना दक्षिण का वर्चुअल लोकार्पण, पुलिसिंग को मिलेगी नई मजबूती

बृजेश कश्यप/बालजी दैनिक

फिरोजाबाद : आज 20 जनवरी 2026 को नवनिर्मित आदर्श थाना दक्षिण का भव्य लोकार्पण किया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और पुलिसकर्मियों को आधुनिक एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह थाना विशेष योजना के तहत निर्मित किया गया है। सदर विधायक मनीष असीजा के सहयोग से बने इस आदर्श थाना का वर्चुअल लोकार्पण पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश राजीव कृष्ण द्वारा पुलिस मुख्यालय लखनऊ स्थित सिग्नेचर बिल्डिंग से किया गया।

लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन अनुपमा कुलश्रेष्ठ, पुलिस उपमहानिरीक्षक आगरा रेंज शैलेश कुमार पांडेय एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद सौरभ दीक्षित मौजूद रहे। इस अवसर पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने नवनिर्मित थाना भवन का भौतिक निरीक्षण किया। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस भवन में थाना कार्यालय, मिशन शक्ति केंद्र, साइबर हेल्प डेस्क, महिला एवं पुरुष बैरक, व्यायामशाला, क्रेच रूम, सभागार, भोजनालय सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। यह आदर्श थाना जनपद में बेहतर, सुरक्षित और प्रभावी पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

इंडियन बैंक आवास विकास शाखा के नव सुसज्जित परिसर का लोकार्पण

शिवकुमार पाण्डेय गुरूजी/ बालजी दैनिक

गोण्डा -देश के प्रमुख राष्ट्रीयकृत एवं जिले के अग्रणी बैंक इंडियन बैंक की आवास विकास शाखा, गोण्डा के नव सुसज्जित परिसर का लोकार्पण मंगलवार को जिलाधिकारी गोण्डा प्रियंका निरंजन ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में इंडियन बैंक गोण्डा के अंचल प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक राजेश बडोरिया, उप अंचल प्रमुख संदीप कुमार सिन्हा, अग्रणी जिला प्रबंधक विनोद कुमार तिवारी सहित विशिष्ट ग्राहक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।अंचल प्रमुख राजेश बडोरिया ने जिलाधिकारी का स्वागत करते हुए कहा कि जिले का अग्रणी बैंक होने के नाते इंडियन बैंक का दायित्व है कि ग्राहकों को बेहतर सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने बताया कि सभी शाखाओं में तकनीकी आधारित सेवाओं के विस्तार एवं साज-सज्जा को और अधिक बेहतर करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि इंडियन बैंक ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है और आवास विकास शाखा का यह नया परिसर इसका उदाहरण है। उन्होंने ग्राहक संतुष्टि, सामाजिक दायित्वों की पूर्ति तथा वित्तीय और साइबर जागरूकता के प्रसार पर विशेष जोर दिया।

फिरोजाबाद पुलिस कार्यालय में नवनिर्मित परिवार परामर्श केंद्र व यातायात लाइन्स का लोकार्पण

बृजेश कश्यप/बालजी दैनिक

फिरोजाबाद : पुलिस कार्यालय में आज 20 जनवरी 2026 को नवनिर्मित परिवार परामर्श केंद्र एवं यातायात लाइन्स का लोकार्पण किया गया। अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन श्रीमती अनुपमा कुलश्रेष्ठ ने पुलिस उपमहानिरीक्षक आगरा रेंज शैलेश कुमार पांडेय एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद सौरभ दीक्षित की उपस्थिति में फीता काटकर उद्घाटन किया।

इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक ने बताया कि परिवार परामर्श केंद्र का मुख्य उद्देश्य पारिवारिक विवादों का समाधान संवाद, समझौते और काउंसलिंग के माध्यम से करना है। यहां पति-पत्नी व परिवार के सदस्यों के बीच मतभेद, घरेलू हिंसा, दहेज, सास-बहू विवाद, भरण-पोषण जैसे मामलों में परामर्श दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि परिवार को टूटने से बचाना तथा महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करना इस केंद्र की प्राथमिकता है।

मध्य प्रदेश समाचार

सतना में डायग्नोस्टिक सेंटर का गजब कारनामा
पुरुष की सोनोग्राफी रिपोर्ट में बता दिया गर्भाशय

सतनाः सतना में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां के एक डायग्नोस्टिक सेंटर ने एक व्यक्ति की सोनोग्राफी रिपोर्ट में उसके पास गर्भाशय बता दिया है. रिपोर्ट देखकर पीड़ित को होश उड़ गए. मामले की जानकारी होने पर स्वास्थ्य विभाग ने जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है.

मध्य प्रदेश के सतना जिले के सिटी कोतवाली के थाना क्षेत्र अंतर्गत स्टेशन रोड पर स्थित डॉ. अरविंद सराफ डायग्नोस्टिक सेंटर में एक जांच की अजब-गजब रिपोर्ट सामने आई है. जहां पर एक शख्स ने डॉ. अरविंद सराफ डायग्नोस्टिक सेंटर में अपने पेट की सोनोग्राफी कराई थी. जांच के बाद जब उसे रिपोर्ट दी गई तो रिपोर्ट देखकर वह व्यक्ति हक्का-बक्का रह गया. क्योंकि उसे रिपोर्ट में उसे गर्भाशय बता दिया गया.

हालांकि पीड़ित अभी तक मीडिया के सामने आने से बच रहा है. आपको बता दें डॉक्टर अरविंद सराफ डायग्नोस्टिक सेंटर सतना शहर का सबसे जाना-माना डायग्नोस्टिक सेंटर है. जहां पर सोनोग्राफी सहित कई तरह की जांच की जाती है. जिनकी फीस हजारों में है. इतने जाने-माने डायग्नोस्टिक सेंटर में इस प्रकार की लापरवाही कहीं ना कहीं स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को दर्शाती है. इस मामले पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला का कहना है कि सोशल मीडिया के माध्यम से डॉक्टर अरविंद सराफ डायग्नोस्टिक सेंटर का मामला सामने आया है. जिसमें पुरुष के सोनोग्राफी में उसको गर्भाशय बता दिया गया. हम इस मामले की जांच करवा रहे हैं, जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

कर्मचारियों ने नहीं मानी शर्त तो रुक सकता है वेतन, मोहन यादव दे चुके अल्टीमेटम

भोपाल : मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने वर्षों से अटैच चल रहे शिक्षकों को स्कूलों में वापस लौटने के लिए सख्त चेतावनी दी है. इसके अनुसार सभी शिक्षक तत्काल अपनी मूल पदस्थापना वाले स्कूलों में लौटें. ऐसा नहीं करने पर वेतन आहरण रोका जाएगा और जिम्मेदारी सीधे प्राचार्यों पर तय होगी. एमपी बोर्ड द्वारा कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा का टाइमटेबल पहले ही जारी हो चुका है. इसके तहत कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा 10 फरवरी से 7 मार्च और कक्षा 10वीं की परीक्षा 13 फरवरी से 6 मार्च तक आयोजित की जाएगी. वहीं, बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर मोहन सरकार पहले ही सरकारी शिक्षकों की छुट्टियों पर रोक लगा चुकी है.

स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार राजधानी भोपाल में करीब ढाई सौ शिक्षक ऐसे हैं, जो मुख्य पदस्थापना छोड़कर अन्य स्थानों पर अटैच हैं. इनमें से अधिकांश ने सुविधा के अनुसार अपने घर के पास की स्कूल में अटैचमेंट करा रखा था. कुछ शिक्षक अन्य शासकीय कार्यालयों और यहां तक कि मतदाता सूची से जुड़े कार्यों में भी अटैच पाए गए हैं. अब इन सभी को मूल स्कूल में लौटना अनिवार्य किया गया है. इसके निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार ने जारी कर दिए हैं. डीईओ अहिरवार ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि शिक्षकों की उपस्थिति के आधार पर ही वेतन आहरित किया जाएगा. यदि कोई शिक्षक मूल संस्था में उपस्थित नहीं पाया जाता है, तो संबंधित प्राचार्य को जिम्मेदार माना जाएगा. इसके साथ ही 31 जनवरी तक ई-सेवा पुस्तिका अपडेट करना भी अनिवार्य कर दिया गया है. यदि समय सीमा के बाद अपडेशन होता है, तो कर्मचारियों का वेतन भुगतान प्रभावित हो सकता है.

बता दें कि अटैचमेंट के कारण कई सरकारी स्कूलों में पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हुई है. स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण में सामने आया है कि बच्चों की तैयारी अधूरी रह गई है. परीक्षा समय नजदीक होने के कारण विभाग ने भी इसे गंभीर लापरवाही माना है. डीईओ का कहना है कि यदि शिक्षक मूल स्कूल में नहीं लौटते हैं, तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी और वेतन भी रोका जा सकता है.

डीईओ नरेंद्र अहिरवार ने बताया, "मध्यप्रदेश में दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं नजदीक हैं. कुछ स्कूलों में विषय विशेषज्ञों की कमी है. ऐसे में शिक्षण कार्य प्रभावित न हो, इसके लिए सभी अटैचमेंट समाप्त करने का निर्णय लिया है." अहिरवार ने बताया कि कई शिक्षक वर्षों से मूल संस्था छोड़कर दूसरी जगहों पर कार्यरत थे. इससे स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी सामने आई. अटैचमेंट खत्म होने से स्कूलों में शिक्षकों की भरपाई हो सकेगी. इससे पहले मोहन यादव सरकार शासकीय शिक्षकों की छुट्टी पर रोक लगा चुकी है. सरकार ने एमपी बोर्ड की परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए सरकारी स्कूलों में कार्यरत साढ़े तीन लाख से अधिक शिक्षकों पर अतिआवश्यक सेवा अनुरक्षण अधिनियम (ESMA) लागू किया था.

10 साल की बच्ची को कराटे में मिला गोल्ड मेडल, 1 साल की प्रैक्टिस में जीता नेशनल चैंपियनशिप

नर्मदापुरमः दस वर्षीय छठवीं की छात्रा आरवी सराठे ने कम उम्र में ही सेल्फ डिफेंस (आत्मरक्षा) गुण सीखने के लिए एक साल पहले कराटे सीखना शुरू किया था. लगन, उत्सुकता और जुनून के कारण कराटे के प्रति उसके समर्पण ने उसे एक साल के भीतर ही नेशनल कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल दिला दिया. आरवी ने यह गोल्ड मेडल 600 बच्चों के बीच आयोजित देवास में सब जूनियर 5वीं भारत रत्न नेशनल कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता में अपने नाम किया है. उनके घर पहुंचने पर उनके घर खुशी का माहौल है. गोल्ड जीतने के बाद आरवी अब ब्लैक बेल्ट की तैयारी में जुट गई है.

वहीं गोल्ड मेडल जीतने के बाद घर पहुंची आरवी सराठे ने बताया कि 'देवास में आयोजित 5वीं भारत रत्न नेशनल कराटे चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है. इसकी प्रेरणा मुझे मम्मी-पापा और मेरे कोच रवि साहू सर से मिली है. उसने बताया आगे चलकर मुझे ब्लैक बेल्ट लेना है और फाइट सीखनी है. अभी मैं नेशनल जीत के आई हूं. मुझे सेल्फ डिफेंस सीखना था, इस कारण से मैंने कराटे सीखा है.

आरवी की मां दीपा सराठे बताती है 'आरवी ने देवास में नेशनल कराटे टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीता है. जिससे हम लोगों को बहुत ही खुशी हुई. आगे चलकर भी वह ऐसे ही गोल्ड मेडल लेकर आती रहे. उन्होंने बताया कि स्टेट प्रतियोगिता के दौरान भी उम्मीद थी कि वह गोल्ड लेकर आएगी पर ज्यादा प्रैक्टिस उसकी नहीं थी, लेकिन इस बार अच्छी प्रैक्टिस करके वह इस प्रतियोगिता में गई थी, तो गोल्ड उसने जीता है. उसे पहले से ही मालूम था कि वह गोल्ड लेकर आएगी. उन्होंने बताया कि आरवी को कराटे में सेल्फ डिफेंस की वजह से डाला है, क्योंकि आजकल महिलाओं को लड़कियों को बाहर निकलने से पहले सोचना पड़ता है.

हरपालपुर में 45 मिनट वॉटर सप्लाई, 40 मिनट तक बदबूदार पानी, पाइपलाइनों में मिल रहे नाले

हरपालपुर (छतरपुर) : इंदौर हादसे के बाद भी हरपालपुर नगरपालिका के अधिकारी नहीं चेते हैं. घरों में नालों में गंदा बदबूदार पानी पहुंच रहा है. हालत ये हैं कि 45 मिनट की सप्लाई में 40 मिनट गंदा पानी सप्लाई हो रहा है. लोगों ने लगातार नगरपालिका पहुंचकर शिकायतें की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही. लोगों का कहना है कि बदबूदार जलापूर्ति की शिकायत लेकर जाने वाले लोगों से कहा जाता है कि सप्लाई चालू होने के 10 मिनट बाद पानी भरा करें. इन 10 मिनट में पाइपलाइन में भरा बदबूदार पानी निकल जाएगा. नगर परिषद अधिकारी बीते कई दिनों से गंदे बदबूदार पीले पानी की आपूर्ति का फॉल्ट नहीं तलाश सके हैं. सिर्फ कागजों में ही नगर शुद्ध पेयजलापूर्ति की दिखाने का काम चल रहा है.

हरपालपुर नगर की प्यास बुझाने वाली 50 हजार गैलन क्षमता की पानी की टंकी बदहाल है. कई वर्षों से नगर को जलआपूर्ति करनी वाली टंकी की सफाई नहीं हुई है. इसी टंकी से नगरवासियो को पेजलापूर्ति सप्लाई की जाती है.

इंदौर हादसे के बाद कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देश पर पेयजलापूर्ति करने वाले जलस्त्रोतों के पानी की सैम्पल भरने की कार्रवाई हुई, लेकिन उसके बावजूद हरपालपुर में गंदे पानी आपूर्ति की सप्लाई की जा रही है. मंगलवार को जब पानी टंकी से पेयजलापूर्ति खोली गई तो वही हर बार की तरह बदबूदार गंदा पानी लोगों को मिला. पीने वाले पानी में बदबू इतनी ज्यादा कि लोग उल्टियां कर दें. गंदे पानी की आपूर्ति का वीडियो एक महिला ने बनाकर नगर परिषद के शुद्ध पेयजलापूर्ति की कलई खोल दी. इसके बाद नगर परिषद के कर्मचारियों द्वारा जलनिगम के अधिकारियों के साथ वार्डों में घर-घर जा कर पानी की जांच शुरू हुई. हरपालपुर की मैन रोड, पुरानी गल्ला मंडी इलाके के वार्ड 9, 8, 12, 13, 14 में गंदा और बदबूदार पानी सप्लाई हो रहा है. नगर के विभिन्न वार्डों में पानी सप्लाई करने वाली टंकियां की सफाई वर्ष 2014 से नहीं कराई गई. 30 साल पुरानी पाइप लाइन जगह-जगह डैमेज होने के कारण लीकेजों से गंदा पानी आ रहा है. नलों से आ रहे गंदे व दूषित पानी के कारण न केवल नगर में संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है.

हरपालपुर के रहने वाले वार्डवासी राजेश सोनी बताते हैं 'कई महीनों से गंदा पानी नलों में आ रहा है. कई बार शिकायतें की. कोई सुनने वाला नहीं है. इंदौर जैसी घटना हो जाएगी तो क्या होगा.' वार्ड नम्बर 9 के रहने वाले राकेश अग्रवाल कहते हैं 'पिछले 6 महीने से गंदे ओर बदबूदार पानी की परेशानी है. लेकिन पिछले एक माह से परेशानी और बढ़ गई है.' वहीं, इस मामले में जब छतरपुर कलेक्टर पार्थ जैसवाल से बात की गई तो उन्होंने कहा 'अगर सप्लाई में गंदा पानी आ रहा है तो मामले की जांच करवाई जाएगी. इस बारे में वहां के अधिकारियों से बात करता हूं.'

बालजी हिन्दी दैनिक

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक बालाजी प्रजापति द्वारा उमाकान्ती आफसेट प्रेस ग्राम डेहवा, पोस्ट मोहनलालगंज, लखनऊ से मुदित से एवं प्रकाशित ।

सम्पादक : बालाजी प्रजापति
मो0:- 8858955155
उपसम्पादकः संतोष सैनी
R.N.I. No.: UPHIN/2008/26713
Email baljinews@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखो से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायलय के अधीन होगा। (सभी पद अवैतनिक है।)

27 जनवरी को खुलेगा कस्तूरी मेटल कंपोजिट लिमिटेड का आईपीओ

नई दिल्ली। कस्तूरी मेटल कंपोजिट लिमिटेड (केएमसीएल) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 27 जनवरी को खुलेगा।निवेशक इसमें निवेश के लिए 29 जनवरी, 2026 तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 21-23 रुपये प्रति शेयर तय किया है।

केएमसीएल ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि 10 रुपये अंकित मूल्य वाला ये इश?यू 27 जनवरी को खुलकर 29 जनवरी, 2026 को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए यह 23 जनवरी, 2026 को खुलेगा। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 21-23 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी के शेयरों की बीएसई और एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग प्रस्तावित है।

इंजीनियर्ड स्टील फाइबर और इंडस्ट्रियल फ्लोरिंग सॉल्यूशंस की निर्माता एवं प्रदाता कंपनी केएमसीएल का यह आईपीओ 27.52 लाख इक्विटी शेयर्स का फ्रेश इश्यू है। इस आईपीओ का आकार 17.61 करोड़ रुपये तक है। निवेशक इसमें न्यूनतम 4,000 इक्विटी शेयर्स के लिए बोली लगा सकते हैं, उसके बाद 2,000 शेयर्स के गुणकों में आवेदन कर सकते हैं। हेम सिक्योरिटीज़ लिमिटेड इस इश्यू का एकमात्र बुक रनिंग लीड मैनेजर (बीआरएलएम) है और बिगशेयर सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड इस आईपीओ के लिए रजिस्ट्रार है।उल्लेखनीय है कि 2005 में स्थापित केएमसीएल कंक्रीट रिइंफोर्समेंट में उपयोग होने वाले स्टील फाइबर तथा ऑटोमोटिव ब्रेकिंग अनुप्रयोगों में उपयोग होने वाले स्टील वूल फाइबर उत्पादों के निर्माण, आपूर्ति और निर्यात में संलग्न है। ये कंपनी वर्तमान में अमरावती में तीन स्टील फाइबर और स्टील वूल फाइबर निर्माण इकाइयां संचालित करती है।

वाराणसी और हरिद्वार की तर्ज पर होगा बदलाव

पणजी गोवा सरकार ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरिद्वार, वाराणसी और नासिक जैसे प्रतिष्ठित नदी तट धार्मिक स्थलों की तर्ज पर नारोआ में मांडवी नदी के किनारे श्घाट आरतीश् सुविधा विकसित करने का काम शुरू कर दिया है। राज्य के पर्यटन मंत्री रोहन खौंटे ने विधानसभा में बताया कि उत्तरी गोवा के नारोआ गांव में प्रस्तावित घाट आरती तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन सकती है। मांडवी नदी के तट पर स्थित नारोआ गांव में श्री सप्तकोटेश्वर मंदिर है, जिसका पुनर्निर्माण मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज ने कराया था।

नोएडा में इंजीनियर युवराज की मौत पर पहली गिरफ्तारी, बिल्डर को पुलिस ने दबोचा

नोएडा दिल्ली : एनसीआर के नोएडा सेक्टर-150 में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज की मौत के मामले में पहली गिरफ्तारी हो गई है। ये गिरफ्तारी ई विशटाउन के बिल्डर और मालिक की हुई है। उसका नाम अभय कुमार है। उसे नॉलेज पार्क पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस में दर्ज एफआईआर में दो बिल्डर एमजेड विशटाउन और लोटस ग्रीन को नामजद किया गया है।बता दें कि प्राधिकरण में हुई अहम बैठक के बाद एसआईटी ने जांच को तेज कर दिया है। बैठक खत्म होते ही एसआईटी की टीम मौके के लिए रवाना हो गई। एडीजी भानु भास्कर ने बताया कि जांच के दौरान संबंधित अधिकारियों से पूछताछ की जा चुकी है और अब मृतक के परिजनों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी तथ्यों को सामने लाने के बाद विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जाएगी। फिलहाल टीम स्थल का निरीक्षण कर रही है और जांच में अन्य जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। एसआईटी इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि मृतक को दो घंटे तक मदद क्यों नहीं मिल सकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना की जांच रिपोर्ट 5 दिन के अंदर तलब की है। इस मामले को लेकर यूपी के मुख्यमंत्री ने एक 3 सदस्यीय विशेष जांच दल गठित किया है। उत्तर प्रदेश शासन ने सोमवार को नोएडा विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम को उनके पद से हटाकर उन्हें प्रतिक्षारत कर दिया था। अभी तक नोएडा विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर किसी की नियुक्ति नहीं हुई है।सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, जीएनआईडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एन जी रवि कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सड़कों पर या उसके आसपास के सभी गड्ढों की पहचान करें। उन्हें तुरंत भरें तथा एक्सीडेंट की आशंका वाली जगहों को बिना किसी देरी के चिह्नित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि साइन बोर्ड, रिफ्लेक्टर और ब्रेकरों सहित जरूरी सुरक्षा उपाय तीन दिनों के भीतर सभी सड़कों पर लागू किए जाएं।मृतक इंजीनियर युवराज मेहता की कार 16 जनवरी को निर्माणाधीन स्थल के पास पानी से भरे गड्ढे में गिर गयी थी। उस निर्माणाधीन स्थल पर कोई अवरोधक भी नहीं था। यह गड्ढा एक मॉल के भूमिगत तल के निर्माण के लिए खोदा गया था। इस घटना में लापरवाही के आरोप लगाए जा रहे हैं।

प्रशांत भूषण के सुझाव पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, हम कुत्तों से सर्टिफिकेट लेकर चलने को क्यों नहीं कह सकते

नयी दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को लावारिस कुत्तों के मामले पर सुनवाई हुई। इस दौरान एक याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि उनके इलाके में बहुत सारे लावारिस कुत्ते हैं, जो पूरी रात एक-दूसरे का पीछा करते रहते हैं, भौंकते हैं, जिससे उन्हें नींद नहीं आती और उनके बच्चे पढ़ाई नहीं कर पाते। याचिकाकर्ता ने इस मामले में अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन उनका कहना कि वे केवल वैक्सीनेशन और स्टरलाइजेशन कर सकते हैं। एनएचआरसी को भी भी पत्र लिखा, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि एनिमल बर्थ कंट्रोल रूल्स (एबीसी नियम) केवल एक खास दायरे में काम करते हैं। कुत्तों को स्टरलाइजेशन या वैक्सीनेशन के बाद फिर से छोड़ दिया जाता है। एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कहा कि दुनियाभर में यह स्वीकार किया जाता है कि लावारिस कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए प्रभावी नसबंदी व्यवस्था जरूरी है। जयपुर और गोवा जैसी जगहों में यह सिस्टम सफल रहा है, लेकिन ज्यादातर शहरों में स्टरलाइजेशन प्रभावी नहीं हो पा रहा। स्टरलाइजेशन से कुत्तों की आक्रामकता कम होती है, लेकिन समस्या यह है कि कई शहरों में सही ढंग से यह नहीं हो रहा। इसे बेहतर बनाने के लिए पारदर्शिता लानी होगी और लोगों को जवाबदेह बनाना होगा।एक ऐसा सिस्टम होना चाहिए जहां लोग उन लावारिस कुत्तों की रिपोर्ट कर सकें जिनका स्टरलाइजेशन नहीं हुआ है। इसे किसी वेबसाइट पर दर्ज किया जाए और कोई विशेष अथॉरिटी हो जो ऐसी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करे।

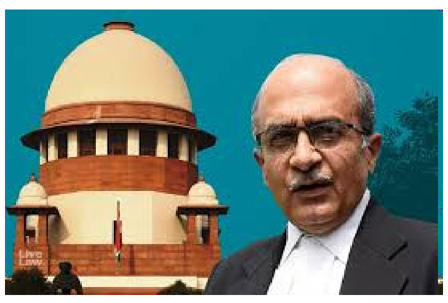

प्रशांत भूषण के इस सुझाव पर जस्टिस संदीप मेहता ने टिप्पणी की कि हम कुत्तों से खुद सर्टिफिकेट लेकर चलने को क्यों नहीं कह सकते। प्रशांत भूषण ने कहा कि कोर्ट की कुछ टिप्पणियां गलत संदेश दे सकती हैं। उदाहरण के लिए इसी कोर्ट ने कहा था कि कुत्तों के काटने के लिए फीडर्स को जिम्मेदार ठहराया जाए, जो शायद व्यंग्य था। जस्टिस विक्रम नाथ ने स्पष्ट किया कि यह व्यंग्य में नहीं कहा गया था, बल्कि बहुत गंभीरता से कहा गया था। इसके अलावा, एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी द्वारा इस मामले पर किए गए पॉडकास्ट पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई। कोर्ट ने पूर्व मंत्री की तरफ से पेश हुए वकील राजू रामचंद्रन से कहा कि थोड़ी देर पहले आप कोर्ट से टिप्पणियों को लेकर सावधान रहने की बात कर रहे थे। क्या आपको पता है कि आपके क्लाइंट किस तरह की बातें कर रही हैं? आपके क्लाइंट ने कोर्ट की अवमानना की है। हम उस पर ध्यान नहीं दे रहे, यह हमारी दरियादिली है। क्या आपने उनका पॉडकास्ट सुना है? उनकी बॉडी लैंग्वेज कैसी है? वह क्या कहती हैं और कैसे कहती हैं। आपने टिप्पणी की कि कोर्ट को सावधान रहना चाहिए, लेकिन दूसरी ओर आपकी क्लाइंट जिसे चाहे और जिसके बारे में चाहे, हर तरह की टिप्पणियां कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में मानव सुरक्षा, एबीसी नियमों के क्रियान्वयन और जानवरों के अधिकारों के बीच संतुलन बनाने पर विचार कर रहा है। सुनवाई आगे जारी रहेगी।

दिल्ली पुलिस ने लगाई टेक्नोलॉजी की फुल पावर

नयी दिल्ली : कृत्रिम मेधा (एआई) से तैयार सूचनात्मक वीडियो से लेकर कार-कॉलिंग प्रणाली तक दिल्ली यातायात पुलिस ने गणतंत्र दिवस परेड और बीटिंग रिट्रीट समारोह के लिए कर्तव्य पथ आने वाले लोगों की सुगम आवाजाही और बाधा-मुक्त यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कई तकनीक आधारित उपाय लागू किए हैं। कार-कॉलिंग एक ऐसी व्यवस्था है, जिसका इस्तेमाल बड़े आयोजनों या भीड़भाड़ वाले स्थानों पर वाहनों को सुव्यवस्थित तरीके से बुलाने के लिए किया जाता है। यातायात पुलिस ने पहली बार एआई की मदद से विस्तृत एनिमेटेड वीडियो तैयार किए हैं, जिनमें आमंत्रित अतिथियों के आगमन, उतरने, प्रस्थान और पार्किंग की पूरी योजना को दर्शाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, इन वीडियो का उद्देश्य आगंतुकों को पहले से ही आवाजाही और पार्किंग व्यवस्थाओं से परिचित कराना है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये वीडियो रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और आमंत्रित अतिथियों को जारी किए गए क्यूआर-कोड आधारित पार्किंग प्रणाली के जरिए भी देखे जा सकते हैं। इनमें आयोजन के दिन आगमन, गाड़ी से उतरने और पार्किंग की व्यवस्था को विस्तार से समझाया गया है। पुलिस ने बताया कि पार्किंग प्रबंधन प्रणाली में 22 पार्किंग स्थल शामिल हैं, जिनमें लगभग 8,000 वाहनों को खड़ा किया जा सकता है। पुलिस के अनुसार, हर वर्ष गणतंत्र दिवस परेड के लिए करीब 77,000 पास जारी किए जाते हैं, जिनमें से लगभग 8,000 पास निजी वाहनों से आने वालों के लिए निर्धारित होते हैं। इस वर्ष एक और नई पहल के तहत गणतंत्र दिवस ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों के लिए शटल सेवा शुरू की गई है। ये शटल सेवा खान मार्केट, अमृता शेरगिल मार्ग, पटेल चौक मेट्रो स्टेशन और एचसी माथुर लेन से संचालित होंगी और हर 10 मिनट के अंतराल पर कर्मियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाएंगी। आमंत्रित अतिथि और टिकट धारक गणतंत्र दिवस के दिन अपने निर्धारित पार्किंग स्थल तक पहुंचने के लिए गूगल मैप या मैपल्स का उपयोग कर सकते हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये मंच कर्तव्य पथ तक पहुंचने के लिए उपयुक्त मार्ग और आवंटित पार्किंग स्थान की सटीक जानकारी प्रदान करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि डिजिटल सुविधाओं के अलावा यातायात पुलिस ने जमीनी स्तर पर सहायता भी बढ़ाई है। इस वर्ष प्रमुख स्थानों पर 12 सहायता केंद्र स्थापित किए गए हैं, जबकि पहले यह संख्या केवल दो थी। इन सहायता केंद्रों पर तैनात कर्मचारी पार्किंग, पैदल यात्री मार्ग और सुरक्षा व्यवस्थाओं के संबंध में मार्गदर्शन देंगे। कार्यक्रम के समापन के बाद भीड़भाड़ से बचने और आमंत्रित अतिथियों की सुचारु निकासी के लिए इस वर्ष कार-कॉलिंग प्रणाली भी शुरू की गयी है। इसके तहत आमंत्रित व्यक्ति निकास द्वार पर तैनात अधिकारी को सूचना दे सकते हैं, जिसके बाद वाहन नंबर या चालक के नाम की घोषणा की जाएगी। यह सूचना पार्किंग स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों के माध्यम से दी जाएगी।

बड़े हर्ष, उल्लास एवं उत्साह पूर्वक आयोजित किया गया अंकुरम द विंटर कार्निवल

दैनिक बालजा/ सत्यम नागपाल

जगाधरी : गुलमोहर अकैडमी यमुनानगर के एलीट क्लब द्वारा अंकुरम द विंटर कार्निवल का आयोजन जगाधरी क्लब जगाधरी में बड़े उत्साह एवं हर्ष से आयोजित किया गया, श्री G.K. Tandon, जिला न्यायवादी जिन्होंने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की इस कार्यक्रम में सभी गतिविधियों को चार विभिन्न भागों में विभाजित किया गया था। सबसे पहले लगभग 50 बच्चों ने विभिन्न प्रकार के स्टाल लगाकर बिजनेस स्किल्स को सीख स्टॉल लगाए हुए बच्चों का उत्साह एवं आत्म विश्वास देखते ही बनता था। कार्यक्रम का दूसरा विभाग था टैलेंट शो एवं बेबी शो जिसमें कई नन्हे-नन्हे बच्चों ने रंग बिरंगे कार्यक्रम प्रस्तुत किया एवं श्रोताओं की खूब तालियां बटोरी। अगले विभाग में रोटरी क्लब जगाधरी नॉर्थ द्वारा आयोजित भाषण प्रतियोगिता एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें यमुनानगर जगाधरी के अलग-अलग विद्यालयों से आए हुए बच्चों ने बहुत बेहतर प्रदर्शन किया। डी.ए.वी कॉलेज फॉर गर्ल्स यमुनानगर के प्रिंसिपल डॉक्टर सुरेंद्र कौर जी ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर विद्यार्थियों के प्रयासों की भूरि भूरि प्रशंसा की एवं अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बच्चों को मेरिट सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की थीम थी सबके लिए शिक्षा, इसमें एक तरफ जहां विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने स्टॉल्स लगाकर एवं प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का लोहा बनवाया, वहीं दूसरी और इस कार्यक्रम में एकत्रित किए गए, फंड्स का प्रयोग यमुनानगर-जगाधरी के किसी स्लम एरिया में जरूरतमंद बच्चों के लिए एक संस्कार शाला खोलने के लिए किया जाएगा, जिसमें जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई के लिए कक्षाओं का आयोजन होगा और कक्षाओं में पढ़ने के लिए जिस शिक्षिका की नियुक्ति की जाएगी वह भी कॉलेज में पढ़ने वाली एक ऐसी छात्र होगी जिन्हें आर्थिक तौर पर सहायता की आवश्यकता होगी। इस प्रकार इस कार्निवल में हर किसी के लिए कुछ ना कुछ सीखने का विशेष अवसर रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए शहर की कई जानी-मानी हस्तियों ने अपनी स्पॉन्सरशिप देकर संस्कारशाला की स्थापना हेतु अपना विशेष सहयोग दिया। इसी कार्यक्रम में अमर द ज्वेलर्स द्वारा एक विशेष सरप्राइज गिफ्ट डायमंड रिंग जैकपोट का आयोजन भी किया गया। इसके लिए लॅकी कूपन दिए गए एवं इस सरप्राइज गिफ्ट में एक प्यारे बच्चे अभिराज नय्यर का कूपन निकला एवं उन्हें डायमंड रिंग देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में चारों तरफ चहल-पहल मौज मस्ती खाने पीने के स्टॉल गेम्स के स्टॉल स्टेशनरी एवं अन्य वस्तुओं की खरीदारी की स्टाल देखकर एक अलग प्रकार की ही विशेष प्रसन्नता की अनुभूति हो रही थी।

पंचकूला में 'गुरु दक्षिणा अवार्ड' का भव्य आयोजन

पंचकूलाः स्थानीय PWD रेस्ट हाउस में हाल ही में 'गुरु दक्षिणा अवार्ड' समारोह का आयोजन किया गया, जो अपनी भव्यता और सामाजिक संदेश के कारण चर्चा का केंद्र रहा।डायरेक्टर नेहा खन्ना के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम की थीम 'देशभक्ति' रखी गई थी। नेहा खन्ना ने इस इवेंट के माध्यम से न केवल देश के प्रति सम्मान प्रकट किया, बल्कि लड़कियों के उत्थान के लिए भी एक सराहनीय पहल (उपराला) की है।

इस नेक कार्य में प्रख्यात समाज सेविका सविता खिंदरी ने 'भगवती चैरिटेबल ट्रस्ट' के माध्यम से अपना पूर्ण सहयोग दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्टारडम अकैडमी के प्रोड्यूसर और अभिनेता इशू गंभीर का विशेष योगदान रहा।

समारोह का मुख्य आकर्षण बच्चों की शानदार परफॉर्मेंस रही, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से वहां मौजूद हर व्यक्ति का दिल जीत लिया।

सेक्टर-17 के खैरा मंदिर में 241 घंटे का 'महा यज्ञ': हवा भी होगी शुद्ध

गुप्त नवरात्रि के पाव न अवसर पर श्री खैरा मन्दिर सेक्टर, 17 की पावन धरा पर माँ बंगला मुखी जगदम्बा की अनुकम्पा से 241 घंटे निरंतर चलने वाले नव कुंडीआ चडी महा यघ के लिए एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोज न बनारस से आये यघ के ब्राह्मण आनंद तिवारी व आयोजक पंडित वरिनदर कौशिक द्वारा यघ स्थल पर किया गया

पंडित आनंद तिवारी ने कहा कि माँ भगवती के गुप्त नवरात्रि में गुप्त असाध्य रोगों, गुप्त मनो कामना पूरण करने हेतु यह नव कुंडिय हवन यघ 241 घंटे निरंतर यघ में मंत्रो द्वारा आहुतिआ डाल जहाँ माता रानी भगतो की मनोकामना पूरण करती है वही ह वन में आहुतिया देने से वायु मण्डल में अदृश्य जीवाणुओ का भी कल्याण होता हैऔर वायु मण्डल शुद् होता है व नक्रा त्मक विचारों का हनन हो विचार शुद् होते हैं

पंडित वरिन दर कौशिक ने बताया कि गत 8 वर्षों से निरंतर समस्त भगतो के सहयोग से गुप्त नवरात्रि के पावन अवसर पर यघ किया जाता है जिसमे शुध् घी, जड़ी बूटी, चावल, जो शकर, सरसो आदि से आहुति दे यघ भगवान् से प्राणी मात्र के सुख शांति, समृद्ध होने की कामना की जाती है कोई भी भगत किसी भी समय आहुतिआ डाल मानव जीवन सार्थक कर सकता है उन्होंने यह भी कहा की माँ गंगा की तर्ज़ पर होने वाली भव्य आरती नित्य साये 6 बजे मुख्य फल देने वाली होती है इस अवसर पर सेवा भावी प्रियंक शर्मा, दीपक शर्मा,सुनील शर्मा, केवल कृष्ण सैनी, आदि ने शहर वासियो से हवन कुंड में आहुति दे मनोकामना पूर्ण करने की बात कही और यथा शक्ति तन मन धन से सहयोग की बात कही

नितिन नबीन का चयन भाजपा की कार्यकर्ता-संस्कृति की जीत : मदन चौहान

मोदी का संदेश बताता है कि भाजपा में पद नहीं, संगठन और कार्यकर्ता सर्वोपरि

दैनिक बालजी/सत्यम नागपाल

यमुनानगरः भारतीय जनता पार्टी में नितिन नबीन का 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चयन केवल एक संगठनात्मक निर्णय नहीं, बल्कि भाजपा की उस विचारधारा की पुष्टि है जिसमें कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति होता है। यह बात पूर्व मेयर एवं प्रदेश अध्यक्ष, ओबीसी मोर्चा, भाजपा हरियाणा मदन चौहान ने अपने विशेष वक्तव्य में कही।

उन्होंने कहा कि नितिन नबीन का राजनीतिक सफर युवा मोर्चा से शुरू होकर पाँच बार विधायक बनने, राज्य सरकार में मंत्री रहने और अब राष्ट्रीय संगठन की सर्वोच्च जिम्मेदारी तक पहुँचना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा में अवसर और दायित्व परिश्रम, अनुशासन और संगठन के प्रति निष्ठा के आधार पर मिलते हैं, जिससे देशभर के कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

मदन चौहान ने कहा कि इस भावना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संदेश से और मजबूती मिली, जिसमें उन्होंने नितिन नबीन को बधाई देते हुए कहा– 'अब नितिन नबीन मेरे बॉस हैं, मैं पार्टी का साधारण कार्यकर्ता हूँ।' उन्होंने कहा कि यह कथन केवल विनम्रता का नहीं, बल्कि भाजपा की आत्मा का प्रतिबिंब है, जहाँ प्रत्येक कार्यकर्ता समान है और संगठन सर्वोपरि है, तथा नेतृत्व सेवा का माध्यम माना जाता है, अधिकार का नहीं।

जब सड़क पर उतरे 'यमराज': डेराबस्सी में अनोखा ट्रैफिक जागरूकता अभियान

डेराबस्सी : सेवा सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत डेराबस्सी में एक अनोखा यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान में 'यमराज' के रूप में एक कलाकार ने सड़क पर चलने वाले वाहन चालकों और आम जनता को ट्रैफिक नियमों के पालन का महत्व समझाया। यमराज का यह प्रतीकात्मक रूप लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना और संदेश को गंभीरता से ग्रहण करने में सहायक सिद्ध हुआ।

इस अवसर पर एंटी करप्शन एंड क्राइम प्रिवेंशन के नेशनल प्रेसिडेंट अमित मनकट ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। जिन दोपहिया वाहन चालकों के पास हेलमेट नहीं थे, उन्हें मौके पर ही हेलमेट वितरित किए गए और जो लोग पहले से हेलमेट पहनकर नियमों का पालन कर रहे थे, उन्हें फूल देकर सम्मानित किया गया।

इस अभियान में समाज सेवी मनप्रीत सिंह बनी संधू, रविन्द्र राकेश शर्मा , बलविंदर सिंह, दलजीत सिंह बाजवा, विकास शर्मा, जीवन शर्मा, बलविंदर कौर, कोमल रानी, मंदाकिनी पहवा, डॉक्टर सत्यम नागपाल, नरेंद्र बक्शी, चिरंजीव शर्मा, नितिन कंसल, दीपक नरूला और अन्य सभी मेंबर उपस्थित थे।